राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार,17जनवरी 2021 वर्ष-3, अंक -348 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linkedin
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

इन सात मानकों से कोरोना के बाद बेहतर होंगे भारत के शहर

नई दिल्ली। दुनिया की आधी आबादी शहरों में रहती है और 80 फीसद वैश्विक जीडीपी भी शहरों में पैदा होती है। भारत की जीडीपी में भी शहरों की हिस्सेदारी 70 फीसद है, लेकिन कोरोना महामारी शहरों के लिए मारक साबित हुई है। पर यही महामारी भारत की शहरी यात्रा के लिए टर्निंग प्वाइंट भी साबित हो सकती है। बस जरूरत है कि हम सही सीख लें और इसके आधार पर जरूरी बदलाव करें। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की नई रिपोर्ट में दावा किया गया है। रिपोर्ट का नाम है- इंडियन सिटीज इन पोस्ट पैंडेमिक वर्ल्ड।

चुनौती क्या है

हालिया अध्ययन से पता चलता है कि जब मुंबई जैसे शहरों में कोरोना ने चोट पहुंचाई तो सबसे ज्यादा हॉटस्पॉट अनौपचारिक बस्तियां बने या फिर जो इलाके उनके पास थे। यहां पर सार्वजनिक जगहें कम थीं और भीड़ ज्यादा। यानी झुग्गियों के कारण भी कोरोना महामारी में तेजी आई। इससे पहले गरीबी में जीवन जी रहे लोगों पर अतिरिक्त स्वास्थ्य खर्च का बोझ पड़ा। रिपोर्ट कहती है कि इन कारणों से ही हमें बेहतर शहर बनाने होंगे, ताकि नागरिकों को अच्छा जीवन मिले और इससे आर्थिक विकास भी तेज होगा।

यह रिपोर्ट सात मानकों के आधार पर तैयार की गई है- सिटी प्लानिंग, हाउसिंग, ट्रांसपोर्ट, पब्लिक हेल्थ, एनवायरमेंट, जेंडर और कमजोर आबादी। इन सात सेक्टरों की चुनौतियों का विश्लेषण कर बताया गया है कि भविष्य में भारतीय शहरों में किन बदलावों की जरूरत है। डब्ल्यूईएफ की एक कमेटी के प्रमुख विराज मेहता और आईडीएफसी इंस्टीट्यूट की निदेशक प्रीतिका हिंगोरानी ने यह रिपोर्ट तैयार की है।

खत्म हुआ इंतजार

शुरू हुआ टीकाकरण अभियान, पीएम मोदी बोले- टीका लगने के बाद भी सावधानी बरतें

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज के दिन का पूरे देश को बेसब्री से इंतेजार रहा है। कितने महीनों से देश के हर घर में बच्चे, बूढ़े, जवान सभी की जुबान पर ये सवाल था कि कोरोना वैक्सीन कब आएगी। अब वैक्सीन आ गई है, बहुत कम समय में आ गई है।

उन्होंने कहा कि अब से कुछ ही मिनट बाद भारत में दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान शुरू होने जा रहा है। मैं सभी देशवासियों को इसके लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का टीकाकरण अभियान बहुत ही मानवीय और महत्वपूर्ण सिद्धांतों पर आधारित है। जिसे सबसे ज्यादा जरूरत है, उसे

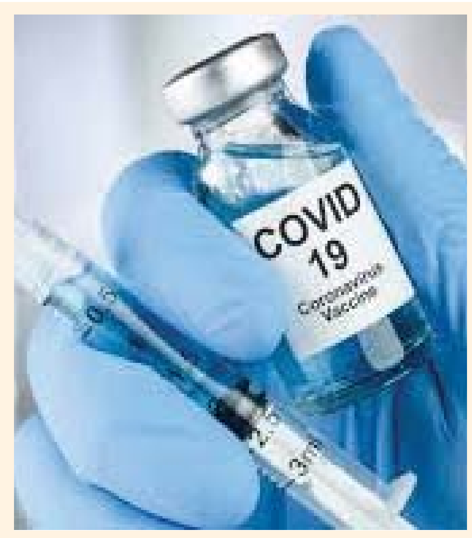

सबसे पहले कोरोना का टीका लगेगा।

दूसरी डोज लगवाना जरूरी है

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं ये बात फिर याद दिलाना चाहता हूं कि कोरोना वैक्सीन की दो डोज लगनी बहुत जरूरी है। पहली और दूसरी डोज के बीच, लगभग एक महीने का अंतराल भी रखा जाएगा। दूसरी डोज़ लगने के 2 हफ्ते बाद ही आपके शरीर में कोरोना के विरुद्ध ज़रूरी शक्ति विकसित हो पाएगी। इसलिए टीका लगने के बाद आप लोग मास्क लगाना, दो गज की दूरी करना मत भूलिएगा।

टीकाकरण के दौरान धैर्य दिखाना !

उन्होंने कहा कि जिस तरह धैर्य के साथ आपने कोरोना का मुकाबला किया वैसा ही धैर्य टीकाकरण के दौरान भी दिखाना है। इतिहास में इतना बड़ा वैक्सीनेशन अभियान कभी नहीं चलाया गया है। पहले चरण में ही 3 करोड़ लोगों को टीका लगेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दुनिया के 100 से भी ज्यादा ऐसे देश हैं जिनकी संख्या 3 करोड़ से कम है और भारत पहले चरण में ही 3 करोड़ लोगों का टीकाकरण कर रहा है। दूसरे चरण में इसको 30 करोड़ तक ले जाना है। जो बुजुर्ग हैं और जो बीमारियों से ग्रसित हैं उन्हें अगले चरण में टीका लगेगा। आप कल्पना कर सकते हैं, 30 करोड़ की आबादी से ऊपर के दुनिया के सिर्फ तीन ही देश हैं- खुद भारत, चीन और अमेरिका।

प्रोपेगेंडा से बचकर रहें

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे वैज्ञानिक और विशेषज्ञ जब दोनों मेड इन इंडिया वैक्सीन की सुरक्षा और प्रभाव को लेकर आश्वस्त हुए, तभी उन्होंने इसके इमरजेंसी उपयोग की अनुमति दी। इसलिए देशवासियों को किसी भी तरह के प्रोपेगेंडा, अफवाहें और दुष्प्रचार से बचकर रहना है।

कोरोना वायरस की मार, बीते साल घरेलू उड़ानों पर यात्रियों की संख्या 56 प्रतिशत घटी

नई दिल्ली। घरेलू उड़ानों के यात्रियों की संख्या में बीते साल यानी 2020 में भारी गिरावट आई है। नागर विमानन महानिदेशालय द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार 2020 में घरेलू उड़ानों पर यात्रियों की संख्या 2019 की तुलना में 56.29 प्रतिशत घटकर 6.3 करोड़ यात्री रह गई। नियामक ने कहा कि भारतीय विमानन क्षेत्र पर कोरोना वायरस महामारी का प्रभाव अभी कायम है। दिसंबर में घरेलू उड़ानों से सिर्फ 73.27 लाख यात्रियों ने यात्रा की, जो दिसंबर, 2019 की तुलना में 43.72 प्रतिशत कम है। बीते साल इंडिगो की उड़ानों से 3.25 करोड़ लोगों ने यात्रा की। घरेलू विमानन बाजार में इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी 51.7 प्रतिशत रही। स्पाइसजेट के यात्रियों की संख्या 93.9 लाख और बाजार हिस्सेदारी 14.9 प्रतिशत रही। आंकड़ों के अनुसार बीते साल एयर इंडिया ने 69.32 लाख, गो एयर ने 54.38 लाख, एयरएशिया इंडिया ने 43.87 लाख और विस्तार ने 39.39 लाख यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया। दिसंबर, 2020 में छह प्रमुख एयरलाइंस की टिकट बुकिंग या लोड फैक्टर 65.1 से 78 प्रतिशत रहा। डीजीसीए ने कहा कि यात्रियों की टिकट बुकिंग में दिसंबर में इससे पिछले महीने की तुलना में गिरावट आई। इसकी वजह पर्यटन का सीजन समाप्त होना है। स्पाइसजेट की बुकिंग सबसे अधिक 78 प्रतिशत रही। भारत में कोरोना वायरस की वजह से दो माह के अंतराल के बाद 25 मई को घरेलू उड़ान सेवाएं फिर शुरू हुई थीं। एयरलाइंस को उनके कोविड-19 से पूर्व के स्तर पर पर अधिकतम 80 प्रतिशत टिकट बुकिंग की अनुमति है।

यात्री कंपार्टमेंट में माल ले जाने के संबंध में दिशा-निर्देश जारी

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने शुक्रवार को ऐसी उड्डयन कंपनियों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए जो विमान के यात्री कंपार्टमेंट में माल ले जाना चाहती हैं। नियामक ने अपने दिशा-निर्देशों में कहा कि यात्री कंपार्टमेंट में माल ले जाने की इच्छा रखने वाले संचालक को प्रस्तावित संचालन से कम से कम 10 दिन पहले डीजीसीए के समक्ष आवेदन देना होगा। इनमें कहा गया है कि माल प्रति एक सीट स्थान पर 22.5 किलोग्राम से अधिक नहीं होना चाहिए और अगर यह तीन सीटों पर रखने के लिए एक ही सामान है, तो इसका वजन 50 किलोग्राम से अधिक नहीं होना चाहिए।

विरोध के बाद झुका व्हॉट्सऐप

नई शर्तों और नीति को स्वीकार करने के लिए तय 8 फरवरी की डेडलाइन टाली

वॉशिंगटन। आलोचना और विरोध का सामना करने के बाद इंस्टेंट मेसेजिंग ऐप्लीकेशन व्हाट्सऐप ने अपनी नई डेटा-शेयरिंग पॉलिसी को फिलहाल टाल दिया है। दरअसल नई पॉलिसी में फेसबुक और इंस्टाग्राम का इंटीग्रेशन ज्यादा था जिसकी वजह से यूजर्स का व्हाट्सऐप डेटा फेसबुक से भी शेयर किया जाता। व्हाट्सऐप पर फेसबुक का पूरा स्वामित्व है। व्हाट्सऐप की इस निजता नीति से परेशान होकर यूजर्स उसकी प्रतिद्वंद्वी ऐप्ल टेलीग्राम और सिग्नल पर शिफ्ट हो रहे थे। नई शर्तों और नीति को स्वीकार करने के लिए तय 8 फरवरी की अंतिम तारीख को व्हॉट्सएप ने फिलहाल टाल दिया है। व्हाट्सऐप ने कहा है कि वह प्राइवेसी और सुरक्षा को लेकर यूजर्स के बीच फैली भ्रामक जानकारियों को दूर करेगा। एक ब्लॉगपोस्ट में व्हाट्सऐप की ओर से लिखा गया है, 'हमें बहुत से लोगों से सुनने को मिला है कि हमारे हालिया अपडेट को लेकर भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है। इस अपडेट के जरिए हम फेसबुक के साथ पहले से ज्यादा डेटा शेयर नहीं करेंगे।'

इससे पहले भी एक ब्लॉग के जरिए व्हाट्सऐप ने सफाई दी थी कि न तो हम किसी के मेसेज या कॉल देख सकते हैं और न ही फेसबुक। बता दें कि व्हॉट्सएप ने 4 जनवरी को इन-एप' अधिसूचना के जरिए नई निजता नीति को घोषित करते हुए अपने यूजर्स को सेवा की शर्तों और गोपनीयता की नीति के बारे में अपडेट देना शुरू किया। व्हॉट्सऐप ने इसमें बताया कि वह कैसे यूजर्स के डेटा को प्रोसेस है और उन्हें फेसबुक के साथ किस तरह से साझा करती है। अपडेट में यह भी कहा गया कि व्हॉट्सऐप की सेवाओं का उपयोग जारी रखने के लिए उपयोक्ताओं को आठ फरवरी, 2021 तक नई शर्तों व नीति से सहमत होना होगा। कारोबार जगत के कई दिग्गजों सहित बड़ी संख्या में प्रयोगकर्ताओं ने इस कदम को लेकर चिंता जताई है। भारत में व्हॉट्सएप के प्रयोगकर्ताओं की संख्या 40 करोड़ से अधिक है। भारत वैश्विक स्तर पर व्हॉट्सएप के सबसे बड़े बाजारों में से है। व्हॉट्सएप की सेवा और निजता नीति में हालिया बदलाव को लेकर बहस छिड़ी है और कई प्रयोगकर्ता व्हॉट्सएप के प्रतिद्वंद्वी मंचों- टेलीग्राम और सिग्नल पर शिफ्ट होने लगे। एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप सिग्नल और टेलीग्राम को एप्पल और गूगल के ऐप स्टोर से डाउनलोड में भारी उछाल देखने को मिला। इसके उलट, फेसबुक के स्वामित्व वाले व्हॉट्सएप के डाउनलोड में गिरावट देखी जा रही है।

कोहरे की घनी चादर से ढकी राजधानी, हवा भी हुई जहरीली

नई दिल्ली। दिल्ली ने शनिवार सुबह जब आंखे खोली तो सब कुछ धुंधला दिखाई दिया। पूरी दिल्ली कोहरे की घनी चादर से ढक गई। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि सड़क पर गाड़ी चलाने वालों को कितनी तकलीफ हुई। दृश्यता बेहद कम हो गई. दिल्ली के द्वारका और धौला कुआं से आई इन तस्वीरों में देखिए कैसे लोगों को सड़क पर गाड़ी चलाने के लिए मशक्कत करनी पड़ रही होगी। कोहरे के साथ-साथ राजधानी को जहरीली हवा में सांस लनी पड़ रही है। असल में सिस्टम ऑफ़ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च के अनुसार दिल्ली का समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक 492 (गंभीर श्रेणी) पर है। वहीं मौसम विभाग की माने तो आने वाले दिनों में दिल्ली को राहत मिलती दिखाई नहीं दे रही है। कल भी दिल्ली में कोहरे की मोटी चादर देखने को मिली थी. लेकिन राहत की बात ये है कि कुछ समय के लिए दिल्ली वालों को धूप नसीब हुई थी। इसके अलावा अगर उत्तरप्रदेश की बात करें तो वहां भी घना कोहरा देखन को मिल रहा है। शुक्रवार को गलन से प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में लोग ठिठुरते रहे।

मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान भी ऐसा ही मौसम रहने के आसार हैं। पूर्वी व पश्चिमी अंचलों के कुछ हिस्सों में कहीं घना तो कहीं बहुत घना कोहरा छाया रहेगा। इस दरम्यान कुछ इलाकों में शीतलहर भी चलेगी। कई इलाकों में दिन में धूप भी नहीं निकलेगी।

दुनियाभर में कोरोना वायरस से अब तक 20 लाख लोगों की मौत

एपी,मेक्सिको। कोरोना वायरस के कारण दुनियाभर में मरने वालों की संख्या शुक्रवार को लगभग 20 लाख हो गई। हालांकि कई देशों ने महामारी पर काबू पाने के लिए अपने यहां टीकाकरण शुरू कर दिया है लेकिन गरीब और कम विकसित देशों में टीका पहुंचने में दिक्कत है। कोरोना वायरस दिसंबर 2019 में पहली बार चीन के वुहान शहर में सामने आया था। जॉन हॉपकिन्स विश्वविद्यालय द्वारा संकलित किए गए मृत्यु संबंधी आंकड़े ब्रसेल्स, मक्का और वियना की आबादी के बराबर हैं। बता दें कि शुरुआती 10 लाख लोगों की मौत आठ महीनों में हुई थी, लेकिन अगले

10 लाख लोग चार महीने से भी कम समय में मर गए। मौत के ये आंकड़े दुनियाभर में सरकारी एजेंसियों द्वारा बताए गए हैं, जबकि बीमारी के कारण मृतकों की असल संख्या अधिक हो सकती है क्योंकि महामारी के शुरुआती दिनों में मौत होने के कई अन्य कारण भी बताए गए थे। ब्रॉउन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ में महामारी विशेषज्ञ डॉ. आशीष झा ने कहा कि काफी लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक समुदाय ने असाधारण काम किया है। अमेरिका, ब्रिटेन, इज़राइल, कनाडा और जर्मनी जैसे संपन्न देशों में लाखों लोगों को सुरक्षा देने का काम शुरू किया जा चुका है। उन्हें कम से कम टीके की एक खुराक दी गई है। कई ऐसे देश हैं जहां टीका पहुंचा ही नहीं है। कई विशेषज्ञ अनुमान जता रहे हैं कि ईरान, भारत, मेक्सिको और ब्राजील में यह साल भी दुश्वारी भरा हो सकता है। दुनियाभर में कोविड-19 से मरने वालों में आधे लोग इन्हीं देशों से थे। अमीर देशों में टीकाकरण अभियान तो चल रहा है, लेकिन गरीब देशों में इस अभियान को चलाने में कई बाधाएं हैं। इनमें कमजोर स्वास्थ्य प्रणाली होना, लचर परिवहन व्यवस्था, भ्रष्टाचार और टीके को फ्रीज़र में रखने के लिए बिजली का अभाव शामिल हैं। कोविड-19 टीके की अधिकतर खुराक अमीर देशों ने खरीद ली हैं। दुनिया के विकासशील देशों में टीका पहुंचाने लिए शुरू की गई संयुक्त राष्ट्र समर्थित परियोजना कोवैक्स को टीके, धन और साजो-समान संबंधी समस्या से जूझना पड़ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की प्रमुख वैज्ञानिक डॉ सौम्या स्वामीनाथन ने कहा कि इस साल दुनिया के 70 फीसदी लोगों को टीका लगाने का लक्ष्य हासिल करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर कुछ देशों या स्थानों पर टीकाकरण कर भी दिया जाता है तो यह दुनियाभर में लोगों को संक्रमण से नहीं बचाएगा।

राम मंदिर निर्माण के लिए UP के एक विधायक ने दिया 1,11,11,111 का दान, जानें किसने कितना दिया चंदा

नई दिल्ली। अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण के लिए दान राशि एकत्रित करने के अभियान की शुरुआत शुक्रवार को हुई और राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मंदिर निर्माण के लिए पांच लाख रुपये से अधिक का योगदान दिया। उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू के परिवार ने मंदिर के निर्माण के लिए पांच लाख रुपये से अधिक का योगदान पहले ही दे दिया है।

इससे पहले दिन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित वाल्मीकि मंदिर में एक पूजा की। सबसे बड़ा योगदान रायबरेली जिले के बैसवाड़ा के तेजगांव के पूर्व विधायक सुरेंद्र बहादुर सिंह का रहा जिन्होंने विहिप के उपाध्यक्ष एवं श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के महासचिव चंपत राय को 1,11,11,111 रुपये का चेक प्रदान किया।

राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति ने भी दिए दान-विहिप के कार्यकारी अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा, विहिप ने मंदिर निर्माण के वास्ते धन संग्रह के लिए अपना अभियान आज शुरू किया। इसकी शुरुआत देश के प्रथम नागरिक राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और उनके परिवार की ओर से 5,00,100 रुपये की राशि प्राप्त करने से हुई। उपराष्ट्रपति वैंकेया नायडू की पत्नी ऊषा नायडू पहले ही मंदिर के निर्माण के लिए पूरे परिवार की ओर से 5,11,116 रुपये का योगदान दे चुकी हैं। राष्ट्रपति से दान प्राप्त करने के लिए मंदिर न्यास के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि, विहिप के आलोक कुमार, ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पूर्व प्रधान सचिव नृपेंद्र मिश्रा और आरएसएस के दिल्ली नेता कुलभूषण आहूजा ने राष्ट्रपति भवन में कोविंद से मुलाकात की।

विहिप के एक प्रतिनिधिमंडल ने उत्तराखंड की राज्यपाल बेबी रानी मौर्य से भी मुलाकात की और मंदिर के निर्माण के लिए दान के रूप में 1.21 लाख रुपये प्राप्त किए, जबकि राज्य के मुख्यमंत्री ने भी 1.51 लाख रुपये का योगदान दिया। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, गुजरात के उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल और उत्तर प्रदेश और झारखंड के राज्यपालों ने भी विहिप के प्रतिनिधिमंडलों को अपना योगदान दिया। राम मंदिर निर्माण के लिए योगी आदित्यनाथ ने दो लाख रुपये दान दिए

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण में योगदान के रूप में शुक्रवार को दो लाख रुपये की सहयोग राशि दी। मंदिर के निर्माण के लिए बनाये गये ट्रस्?ट ने देश व्?यापी सहयोग अभियान शुरू किया है। राम मंदिर निर्माण के लिए धन संग्रह का अभियान शुक्रवार को शुरू हुआ। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने अयोध्या में राममंदिर निर्माण के लिए शुक्रवार को सहयोग राशि दी। यहां मुख्यमंत्री आवास में उनसे मिलने आए विश्व हिंदू परिषद के प्रदेश पदाधिकारियों को उन्होंने राम मंदिर निर्माण के लिये सहयोग राशि दी। मुख्यमंत्री रावत ने इस संबंध में सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए कहा, 'अयोध्या में हमारे आराध्य प्रभु श्रीराम के मंदिर निर्माण के लिए 'श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास की ओर से चलाए जा रहे अंशदान अभियान में मुझे भी सहयोग करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।' मुख्यमंत्री ने कहा कि सहयोग जीवन का मूल मंत्र है और किसी कठिन लक्ष्य को सरल बनाने का आसान तरीका भी है ।

महाराष्ट्र के राज्यपाल ने राम मंदिर निर्माण के लिए 1.11 लाख रुपए दिए–महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने अयोध्या में राममंदिर निर्माण के लिए शुक्रवार को एक लाख 11 हजार रुपए दान दिए।कोश्यारी ने राम मंदिर निर्माण के लिए चंदा इकट्ठा करने के वास्ते शुरू किए गए अभियान में शिरकत की। इसका आयोजन राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र न्यास की विदर्भ शाखा ने किया था। उन्होंने हिंदू धर्म आचार्य सभा के अध्यक्ष स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज और नागपुर के महापौर दयाशंकर तिवारी के साथ पोद्दारेश्वर राम मंदिर में आरती भी की।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

वाहन बाजार की चिंता

भारत जैसे विकासशील देश में वाहनों की बिक्री का घटना चिंताजनक है। कोरोना और लॉकडाउन की वजह से विशेष रूप से अप्रैल से दिसंबर के बीच के आंकड़े चुनौती दे रहे हैं। वैसे तो पूरा वर्ष 2020 ही ऑटोमोबाइल क्षेत्र के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहा और अब आंकड़े भी खुलकर बताने लगे हैं कि यात्री वाहनों की बिक्री में 17.85 प्रतिशत की गिरावट आई है। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफेक्चरर्स द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, जनवरी-दिसंबर 2020 के बीच 24,33,464 यात्री वाहनों की बिक्री हुई थी, जबकि 2019 में इसी अवधि के दौरान 29,62,115 वाहन बिके थे। कोरोना के पहले से ही अर्थव्यवस्था संकट में थी और लगभग दो साल से वाहनों की बिक्री के घटने का क्रम बना हुआ है। साल 2019 में बिकने वाली 18,19,884 कारों की तुलना में 2020 में इनकी बिक्री 14,32,304 रही। साफ है, 21.30 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है। यात्री वाहनों के अलावा जो अन्य वाहन हैं, उनकी स्थिति भी चिंता में डाल रही है। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री दस साल पुराने स्तर पर चली गई है और तिपहिया वाहनों की बिक्री बीस साल पहले के स्तर पर। हमें यह भूलना नहीं चाहिए कि अर्थव्यवस्था पर कोरोना के कहर से पहले ही वाहन उद्योग परेशानियां झेल रहा था। मार्च से शुरू हुए लॉकडाउन ने सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है, यह नुकसान ऐसा है, जिसकी भरपाई में कुछ वर्ष लग जाएंगे। हालांकि, यह अच्छी बात है कि लॉकडाउन में कुछ ढील के बाद अगस्त महीने में जो सुधार का क्रम शुरू हुआ है, उसके नतीजे दिसंबर 2020 में दिखाई पड़ने लगे हैं। इस सदी के सबसे खराब वर्ष के अंतिम महीने में वाहनों की बिक्री में सुधार के लक्षण दिख रहे हैं और दिसंबर 2019 से अगर तुलना करें, तो दिसंबर 2020 में वाहनों की बिक्री आशा जगा रही है। जो लोग विगत साल भर के आंकड़े को देखकर दुखी नहीं होना चाहते, वे दिसंबर में हुई बिक्री का हवाला दे सकते हैं। दरअसल, भारतीय अर्थव्यवस्था उम्मीदों से भरी हुई है। पर उम्मीदों के बावजूद हकीकत यही है कि अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए बहुत कुछ करना होगा। अभी भी अर्थव्यवस्था में बहुत से ऐसे क्षेत्र हैं, जहां कार्य सुगम नहीं हुआ है। कला, सिनेमा, होटल और पर्यटन उद्योग की कमर टूटी हुई है। शिक्षा संस्थानों में भी अभी सामान्य गतिविधियों के बहाल होने में काफी वक्त लगेगा। जहां एक ओर, बेरोजगारी और घटी हुई कमाई की वजह से निजी वाहनों की बिक्री गिरी है, तो वहीं दूसरी ओर, उद्योग-धंधों के सामान्य न होने से वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री भी जोर नहीं पकड़ पा रही। वाहनों की बिक्री के आंकड़े साफ संदेश दे रहे हैं कि अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए अभी भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। उद्योग-धंधों के अनुकूल माहौल बनाने, आर्थिक प्रोत्साहन देने व जरूरी टैक्स रियायत देने से सरकार को पीछे नहीं हटना चाहिए। इसके साथ ही, जिनके पास पैसा है, उन्हें खर्च के लिए प्रेरित करना भी सरकार की जिम्मेदारी है। बैंकों को कर्ज देने के लिए उदार रुख अपनाना पड़ेगा। भारी आर्थिक पैकेज के बावजूद बैंक अभी भी कर्ज देने में खतरा महसूस कर रहे हैं। उद्योग-धंधों को आसान बनाने के साथ ही व्यावहारिक दिक्कतों को दूर करने पर ध्यान देना होगा। लोग आगामी बजट से उम्मीद लगाए बैठे हैं।

आज के ट्वीट

उधार

मुझे याद है, एक देश में जब भारतीयों को टेस्ट करने के लिए मशीनें कम पड़ रहीं थीं तो भारत ने पूरी लैब भेज दी थी ताकि वहां से भारत आ रहे लोगों को टेस्टिंग की दिक्कत ना हो :

\- पीएम

इतनी आसान भी नहीं ट्रंपवाद से मुक्ति

पुष्परंजन

डोनाल्ड ट्रंप डबल इतिहास रच सकते हैं। पहला, उनके विरुद्ध दो बार महाभियोग लगा है। दूसरा, यदि महाभियोग सिद्ध हो जाता है तो ट्रंप पहले राजनेता होंगे, जिनके चुनाव लड़ने पर रोक लगेगी। सुविधाएं समाप्त हो जाएंगी। 'हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव' में स्पीकर नैंसी पलोसी का लक्ष्य था महाभियोग प्रस्ताव को जैसे भी हो, पास कराना है। महाभियोग के पक्ष में 232 और विरोध में 197 के साथ निचले सदन ने प्रस्ताव पास कर दिया। हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव के चार सदस्यों ने इस प्रक्रिया में भाग नहीं लिया था। इसमें दिलचस्प दस रिपब्लिकन सांसद थे, जिन्होंने ट्रंप के विरुद्ध वोटिंग की। अपनी ही पार्टी के राष्ट्रपति के ख़िलाफ वोट, यही अमेरिकी लोकतंत्र की खूबसूरती है। जो कुछ बदनुमा दाग लगा, उसे भी सभी ने 6 जनवरी, 2021 को देखा था। दुनिया को हैरान किया था, संसद में तोड़फोड और पांच की मौत ने। इस समय सबकी निगाहें सौ सदस्यीय सीनेट पर हैं, जहां दो-तिहाई वोट के बाद महाभियोग सिद्ध होना है। सीनेट में 51 सदस्य डेमोक्रेट के और रिपब्लिकन के 49 सदस्य हैं। रिपब्लिकन के 17 सदस्य या तो ट्रंप के विरुद्ध वोट दें, या फिर सदन से अनुपस्थित हो जाएं, तभी दो-तिहाई कोरम का पूरा होना संभव है। 'कोरम कॉल' के दौरान सीनेटरों को अनुपस्थित रहने का अधिकार है, और उनके विरुद्ध पार्टी कार्रवाई नहीं कर सकती। अब सवाल यह है कि कितने रिपब्लिकन सीनेटर ट्रंप के धतकर्मों से ख़फ़ा हैं? रिपब्लिकन पार्टी में ट्रंप के विरुद्ध मोर्चा पहले से खुला हुआ था। उन्हीं की पार्टी के मिच मेकानल ने सीनेट में 16 दिसंबर 2020 को एक वक्तव्य देकर ट्रंप के गुब्बारे को फुस्स कर दिया था। 'सीनेट मेजॉरिटी लीडर' मिच मेकानल ने बयान दिया कि हम जो बाइडेन को प्रेसिडेंट एलेक्ट मानते हैं, चुनाव में जिस फर्जीवाड़े की बात की जा रही है, उसके सबूत नहीं मिल रहे। 78 साल के मिच मेकानल केंटुकी से सीनेटर हैं और रिपब्लिकन पार्टी के वरिष्ठतम नेताओं में शुमार होते हैं। उनके वक्तव्य से बिफरे ट्रंप ने तब ट्वीट किया था कि लोग मिच के बयान को लेकर ग़ुस्से में हैं। मगर अकेले मिच नहीं, उनके साथ नौ ऐसे सीनेटर थे, जो डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चुनावी फाड का भौकाल खड़ा करने से नाख़ुश थे। इनमें रिपब्लिकन सीनेटर रोन जॉनसन (विस्कोंसिन), जेम्स लैंकफोड (ओकहोमा से), स्टीव डेंस (मोंटाना), लुसियाना से जॉन केनेडी, मार्शा ब्लैकबर्न। माइक ब्राउन (इंडियाना से), वायोमिंग से सीनेटर सिंथिया ल्यूमिस, कैंसस प्रांत से रोजर मार्शल, अल्बामा से बिल हैगेंटी और टॉमी ट्यूबरविल ने पार्टी के भीतर और पब्लिक फोरम में ट्रंप से असहमति व्यक्त की थी। लोग जानना चाहते हैं कि बाक़ी सात सीनेटर कौन होंगे? सवाल यह है कि ग्रांड ओल्ड पार्टी (जीओपी) के नाम से चर्चित रिपब्लिकन पार्टी क्या डोनाल्ड ट्रंप के साथ खड़ी है? रिपब्लिकन पार्टी को 'ग्रांड ओल्ड पार्टी' नाम सबसे पहले 1884 में पत्रकार टी. बी. डोडेन ने दिया था। इस समय 'जीओपी' में ट्रंप से असहमति के स्वर जिस तरह दिख रहे हैं, उससे दरार साफ-साफ दरपेश होने लगी है। ट्रंप यदि 'जीओपी' से दूध की मक्खी की तरह बाहर किये जाते हैं तो शायद डैमेज कंट्रोल हो जाए। मगर, एक सच यह भी है कि ट्रंप की ग़लतियों को नज़रअंदाज़ करने वाले सांसदों, सीनेटरों और रिपब्लिकन पार्टी के सदस्यों की संख्या कम नहीं है। इनके लिए दुविधा की स्थिति ट्रंप व 'फर्स्ट फैमिली' द्वारा उत्पातियों को लगातार उकसाये जाने वाले वो बयान हैं, जो बाकायदा रिकार्ड में दर्ज़ हो चुके हैं। यही सबसे बड़ी चूक है, जिसकी वजह से 'जीओपी' शर्मसार है और पार्टी नेतृत्व ट्रंप के साथ खुलकर खड़ा नहीं दिखता है। जीओपी को फंड देने वाले कारपोरेट का बड़ा समूह अब मुंह फेरने लगा है। वाशिंगटन डीसी स्थित निस्कानन सेंटर और फॉक्स न्यूज़ ने एक साझा सर्वे कराया है, जिसमें 45 प्रतिशत रिपब्लिकन सदस्य संसद को घेर लेने और अंदर उत्पात के पक्ष में बताये गये हैं। सर्वे के अनुसार, 211 में से डेढ़ सौ रिपब्लिकन सांसद हैं, जो चुनाव में पराजय को स्वीकार नहीं कर ट्रंप के पक्ष में मुखर थे। इस सर्वे के लिहाज़ से देखें तो ट्रंप एकदम से राजनीति के बियाबान में नहीं चले गये हैं। ट्रंप, रिपब्लिकन पार्टी में उग्र दक्षिणपंथ का तड़का मारने वाले कोई पहले राष्ट्रपति नहीं रहे हैं। अब्राहम लिंकन, यूएस ग्रांट, रूज़वेल्ट, हर्बर्ट हूवर, आइज़नहावर, रिचर्ड निक्सन, रोनाल्ड रेगन, जार्ज एच.डब्ल्यू बुश और जूनियर जार्ज डब्ल्यू बुश, ये सारे ट्रंप के पूर्ववर्ती राष्ट्रपति रहे हैं, जिन्होंने रूढ़िवादी सोच को आगे बढ़ाया था। मगर ट्रंप, अपने पूर्ववर्तियों से चंद क़दम आगे निकले, जिन्होंने पार्टी के भीतर 'अमेरिका फर्स्ट ग्रुप' बनाकर राष्ट्रवाद का तड़का ऐसा मारा, जिससे सभी सदस्य इत्तेफाक नहीं रखते थे। ऐसी आक्रामक सोच का ही नाम कुछ लोगों ने 'ट्रंपिजम' रख दिया था। जो उनसे असहमत होते, वह अतिवादी-अमेरिका विरोधी निरूपित किये जाने लगे। अमेरिकी अल्ट्रा राइटविंगर के निशाने पर न सिर्फ़ राजनीतिक रूप से असहमत नेता-नौकरशाह थे, बल्कि मीडिया के लोग भी थे। एंटी फासिस्ट जो अमेरिकी दिखता, उन्हें आतंकवादी घोषित करने में यह ग्रुप देर न लगाता। ट्रंप यदि हाशिये पर चले भी जाते हैं तो क्या उस सोच को जड़ से समाप्त करना संभव है? यह नामुमकिन ही लगता है। रायटर-आईपीएसओएस ने भी एक सर्वे पिछले हफ्ते कराया, जिसका निष्कर्ष था कि ट्रंप के चाहने वालों में से 70 फीसद रिपब्लिकंस अब भी हैं। 18 दिसंबर 2019 को ट्रंप के विरुद्ध अधिकार दुरुपयोग, संसद के कामों में बाधा डालते रहने का महाभियोग लगा था। 5 फरवरी 2020 को सीनेट में इस पर वोटिंग के समय 53 में से 52 रिपब्लिकन्स सभासद उनके साथ खड़े थे, जिसकी वजह से वे महाभियोग से बच गये। मगर, 11 महीनों में कालचक्र घूम चुका है, इस बात से हर अमेरिकी वाकिफ है। सीनेट में इस बार ट्रंप बचा लिये जाएंगे, इस बाबत अमेरिका के तुर्रम विश्लेषक जोखिम भरा वक्तव्य देने से बच रहे हैं। अमेरिका से बाहर कोई जानता है कि रोना मैक्डैनियल कौन है? जब रिपब्लिकन पार्टी की चेयरवुमन एकदम चुप-सी रहें तो स्वाभाविक है कि लोग उनसे अनजान रहेंगे। 3 करोड़ 50 लाख, 41 हज़ार, 482 सदस्य हैं रिपब्लिकन पार्टी के। उन्हें संभाले रखना और 'ट्रंपिजम' से बचाये रखने की ज़िम्मेदारी पार्टी अध्यक्ष रोना मैक्डैनियल की थी। कितनी बेचारगी है, रोना मैक्डैनियल अपने सीनेटरों को समझाने की हालत में नहीं हैं कि बचा लो ट्रंप को। वह रिपब्लिकन सभासदों को पार्टी विरोधी गतिविधियों में सम्मिलित रहने के आरोप में निलंबित तक नहीं कर सकतीं। ऐसा भारत में संभव है क्या? लेखक ईयू-एशिया न्यूज़ के नयी दिल्ली संपादक हैं।

ज्ञान गंगा

जीवन धरोहर

श्रीराम शर्मा आचार्य

कीचड़ में कमल उगना एक सुयोग है। आमतौर से उसमें गंदे कीड़े ही कुलबुलाते रहते हैं। जिन्होंने लोकप्रवाह में बहने के लिए आत्मसमर्पण कर दिया, समझना चाहिए उनके लिए नर-पशु स्तर का जीवनयापन ही भाग्य विधान जैसा बन गया। वे खाते, सोते, पाप बटोरते और रोते-कलपते मौत के मुंह में चले जाते हैं। स्रष्टा ने मनुष्य जीवन का बहुमूल्य जीवन धरोहर के रूप में दिया था, होना यह चाहिए था कि इस सुयोग का लाभ उठाकर अपनी अपूर्णता पूर्णता में बदली गई होती और विमानव की सेवा-साधना में संलग्न रहकर धन्य बना जाता, असंख्यों को सन्मार्ग में चलाकर सत्प्रवृत्तियों के संवर्धन का अजस पुण्य कमाया गया होता। यह तो बन नहीं पड़ता, उल्टे पाप का पिटारा सिर पर लादकर लंबे भविष्य को अंधकारमय बनाया जाता है। सत्यपरायणों और न्यायनिष्ठों को समय-समय पर दूसरों की सहायता भी मिलती रही है, इतिहास इसका साक्षी है। यदि ऐसा न हुआ होता तो बहुसंख्यक कुकर्मियों ने इस संसार की समूची शालीनता का भक्षण कर लिया होता। सत्यनिष्ठ एकाकी होने के कारण सर्वत्र पराजित-पराभूत हो गए होते किन्तु ऐसा हुआ नहीं। प्रह्लाद पथ के अनुयायी कष्ट सहकर भी अपनी विजय ध्वजा फहराते हैं। ईसा मरकर भी मरे नहीं, सुकरात की काया नष्ट होने पर भी उसका यश, वर्चस्व और दर्शन अपेक्षाकृत और भी प्रखर हुआ। गोवर्धन पर्वत उठाए जाने का संकल्प आरम्भ में असंभव लगता रहा होगा, पर समय ने सदुद्देश्य का साथ दिया। अपराधी प्रवृत्ति एक प्रकार की छूत वाली बीमारी है, जो पहले परिवार के नवोदित सदस्यों पर आक्रमण करती है। कुकर्मी लोगों की संतानें भी अनैतिक कार्यों में ही रु चि लेती हैं। इसके अतिरिक्त ऐसा भी होता है कि जिनके साथ उनकी घनिष्ठता है, उन्हें भी उसी पतन के गर्त में गिरने का कुयोग बने। ऐसे लोग प्रयत्नपूर्वक अपना संपर्क क्षेत्र बढ़ाते हैं और उद्धत आचरणों के फलस्वरूप तत्काल बड़े लाभ मिलने के सब्जबाग दिखाते हैं। आरम्भ में हिचकने वालों की हिम्मत बढ़ाने के लिए कितने ही इस आधार पर बड़े-बड़े लाभ प्राप्त कर लेने के मनगढ़ंत वृतांत सुनाते हैं। जिन्हें सच मानने और उस प्रकार का आचरण करने में अपनी भी उपयोगिता देखकर सहज ही तैयार हो जाते हैं।

कोवेक्सीन का वार : दुश्मन की हार

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

आदमी वही, जिसे सब चाहें दिल से

\- डॉ. दीपक आचार्य

हर तत्व, प्राणी और वस्तु की मौलिकता ही उसकी अन्यतम विशिष्टता है। इसी के अनुरूप गुणधर्म निर्धारित हैं। मनुष्य होने का अर्थ मानवीय गुणों और सकारात्मक गतिविधियों के प्रति समर्पण, सेवा और परोपकार, जिओ और जीने दो में विश्वास तथा लोक मंगल से लेकर विश्वोत्थान तक के समस्त रचनात्मक कार्यों में समर्पित भागीदारी है। यही असली इंसान की पहचान है। अन्यथा बहुत सारी अनचाही भीड़ सब जगह है जो इंसान कही तो जाती है लेकिन इंसानियत का कोई कतरा देखने को नहीं मिलता। जहाँ कहीं मनुष्य का अस्तित्व है वहाँ मानवीय मूल्यों का प्राकट्य और प्रसार स्वाभाविक है। यथार्थ में मनुष्य वही है जिसमें से मनुष्यता की गंध आए और मानवीय भावनाओं का जीवन्त दिग्दर्शन हो। जहाँ तक गंध का संबंध है, दुनिया में हर तत्व और मिश्रण से लेकर तमाम प्राणियों की अपनी कोई न कोई अन्यतम गंध होती ही है। लेकिन मनुष्य के मामले में ऐसा नहीं होता। मनुष्य की गंध उसके कर्म, स्वभाव, चरित्र और व्यवहार से आती है तथा इसी से उसकी मनुष्यता के प्रतिशत का निर्धारण होता है। जो इंसान मनुष्यता की कसौटी पर खरा उतरता है वही असली इंसान माना जा सकता है बाकी सारे के सारे या तो जानवरों की श्रेणी में गिने जा सकते हैं अथवा उन लोगों में जो राक्षसी परंपरा का प्रतिनिधित्व करते हैं। इनमें भी कुछ ऐसे हो सकते हैं जो हिंसक जानवरों और असुरों के कॉकटेल हों। जो इंसान जितना अधिक सहज, सरल, सौम्य और मानसिक-शारीरिक रूप से स्वस्थ होता है उसका आभामण्डल चमकीला, तेजस्वी तथा शुभ्र होता है और इसका घेरा भी बहुत बड़ा होता है। जो लोग इनके आस-पास आते हैं या रहा करते हैं, वे इनकी दिव्यता और तेजस्विता को अच्छी तरह महसूस करते हैं। ऐसे लोग जहाँ होते हैं वहाँ का पूरा का पूरा वातावरण उमंग, आनंद और उल्लास में बदल जाता है तथा अद्भुत मन:शांति व सुकून हर तरफ पसरा रहता है। इन सकारात्मक वैचारिक भावभूमि वाले रचनात्मक लोगों की मौजूदगी ही अपने आप में आत्मतोष भरे सुकून का महास्रोत हुआ करती है जिसकी वजह से इनके साथ आनंद और मुग्धकारी भावों का प्रभाव हर क्षण बना रहता है। पर आजकल ऐसे लोगों की संख्या दिनों दिन कम होती जा रही है। अब लोगों के भीतर से इंसानियत के भाव पलायन करते जा रहे हैं और वैयक्तिक स्वार्थों की सडान्ध इतनी अधिक हावी हो चुकी है कि इंसान केवल नाम मात्र का रह गया है, उसके भीतर से वह सब कुछ कहीं गायब हो गया है जो आदमी के रूप में पहचान बनाने के लिए सर्वोपरि आवश्यकता रहा है। आदमियत के निरन्तर ह्रास की स्थिति ने मानवी समुदाय के बाड़ों से संवेदनशीलता और सामाजिकता की सुगंध को हर लिया है। पहले जहाँ एक ही प्रकार के बाड़ों, गलियारों और क्षेत्रों में सामूहिक विकास, सामुदायिक उत्थान और सबका साथ लेकर आगे बढ़ने की भावनाओं ने स्वर्णिम इतिहास कायम किया था, आज इसकी बजाय अपने आपको ऊँचा और प्रतिष्ठित करने, समृद्धि पाने और खुद को संप्रभु बनाने का शगल हर तरफ विकृतियों, विषमताओं और दावानल का जनक बना हुआ है। अपने आपको इंसान कहने वाले लोग इंसान के ही दुश्मन होते जा रहे हैं, इंसान के काम आने की बजाय इंसान का काम तमाम करने लग गए हैं,

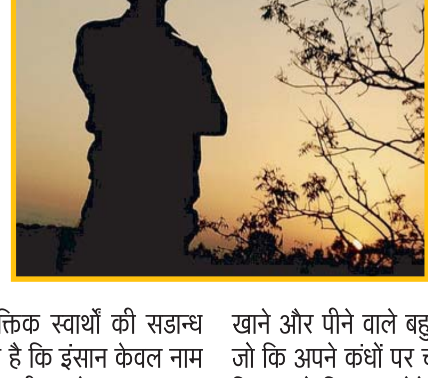

अपने आस-पास वालों की छाती और कंधों पर चढ़कर अपने कद को बढ़ाने का भरपूर प्रयास कर रहे हैं। बहुत सारे भाड़े के टट्टू या कहार हैं जो पालकियों में बिठाकर इन छद्म इंसानों के कद को ऊँचा दिखा रहे हैं, इंसानी पुतलों को गधों, घोड़ों और हाथियों पर बिठा-बिठा कर आसमान की ऊँचाइयों के करीब ले जाने के सब्ज बाग दिखा रहे हैं। मुफतिया माल खाने और पीने वाले बहुत सारे अखाड़ची उस्ताद हैं जो कि अपने कंधों पर चढ़ा-चढ़ा कर इंसानियत के लिहाज से निहायत बौने और ठिगने साबित हो चुके लोगों को जमीन से दूर कर हवाओं में उछाल रहे हैं। हालात इतने भयावह हो चले हैं कि आदमियों की बस्ती में आदमी नहीं मिलते, इनकी जगह बिजूके दिखते हैं या फिर औरों के इशारों पर नाच-गान करने वाले और अपने आपको हर तरह से समर्पित कर नंगा नाच करने और कराने वाले कठपुतले। इंसानी गंध हीन लोगों की वजह से अब बहुत सारे बाड़े नकारात्मकता, ईर्ष्या-द्वेष, गलाकाट स्पर्धाओं और एक दूसरे को नीचा दिखाकर अपने वजूद को स्थापित करने के धाम बने हुए हैं। जहां पिछले दरवाजों को खोल कर पूरी दुनिया को अंधेरे में रख कर सब कुछ हासिल करने के तमाम गुर सिखाने और आजमाने वाले गुरु घण्टाल भी हैं और चेले-चेलियों की भरमार भी। कुछ लोग हर जगह हैं जिनका सामाजिकता से कोई रिश्ता रहा ही नहीं। ये विघ्नसंतोषी लोग उन लोगों को भरमाने के सारे हथकण्डों में माहिर हैं जिन लोगों के लिए उच्चांकाक्षाओं की पूर्ति ही जीवन का सबसे बड़ा और अंतिम सच है। चाहे इसके लिए जो कुछ करना-करवाना पड़े। इंसान का जीवन मानवता की भलाई, अपने क्षेत्र और कुटुम्ब के लिए समर्पण, सभी के विकास की कामना से कर्मयोग और राष्ट्रोत्थान में जुटना है न कि स्वार्थों और मामूली कामों के लिए बेवजह संघर्ष करते हुए प्रदूषण फैलाना। आजकल स्वच्छता अभियान का जमाना है। जाने कितने पुराने और सडांध भरे कचरा पात्रों के मुँह खुल गए हैं। जगह-जगह ऐसे कूड़ादानों का वजूद सामने आ रहा है। ऐसा ही कुछ उन लोगों के साथ हो रहा है जो इंसान के भेस में विचरण कर रहे हैं। षड़यंत्रों और गोरखधंधों से अपने वजूद को साबित करने, अपनी पहचान बनाने और अपने अहंकारों को परिपुष्ट करने वाले बहुत सारे लोग सम सामयिक दुर्भाग्य से हमारे इर्द-गिर्द भी हैं जिनका आभामण्डल नकारात्मक और अंधकार से भरा-पूरा है। ये लोग जहाँ कहीं होंगे वहाँ रोजाना कोई न कोई नकारात्मकता और अपशकुन होते ही रहते हैं क्योंकि इनकी मौजूदगी ही अंधकार और मनहूसियत लाती है। जो लोग अपशकुनी हैं उनसे यथोचित दूरी बनाए रखें, ताकि अपना कर्मयोग निरापद रह सके। अपने आपको ऐसा बनाएं कि जहाँ जाएं, रहें या आए-जाएं, वहां के लोगों को हमसे सुकून प्राप्त हो, और बार-बार वे लोग श्रद्धा, आदर एवं सम्मान दें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

व्हॉट्सएप की नई पॉलिसी के खिलाफ CAIT ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका

नई दिल्ली: व्यापारियों के संगठन कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) ने व्हॉट्सएप की नयी निजता नीति के खिलाफ शनिवार को उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की। कैट ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया है कि वह व्हॉट्सएप को अपनी इस नयी नीति को वापस लेने का निर्देश दे। कैट ने अपनी याचिका में कहा है कि व्हॉट्सएप की प्रस्तावित निजता नीति संविधान द्वारा प्रदत्त नागरिकों के विभिन्न मौलिक अधिकारों का अतिक्रमण है। CAIT ने यह भी कहा है कि व्हॉट्सएप जैसी बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों को संचालित करने के लिए केंद्र सरकार को दिशा-निर्देश तैयार करने चाहिए और ऐसी नीतियां बनानी चाहिए जो नागरिकों और व्यवसायों की गोपनीयता की रक्षा करें। याचिका में विशेष रूप से यूरोपीय संघ के देशों और भारत में व्हॉट्सएप की निजता नीति में अंतर का हवाला देते हुए कहा गया है की भारतीय प्रयोगकर्ताओं के डेटा का इस तरह की बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों द्वारा दुरुपयोग कैसे किया जा सकता है। इस बीच, नयी निजता नीति को लेकर आलोचनाओं के घेरे में आई व्हॉट्सएप ने अपने नीतिगत बदलावों को 15 मई तक टालने की घोषणा की है।

देशभर में ऊर्जा दक्ष पीएनजी स्टोव कार्यक्रम का क्रियान्वयन करेगी ईईएसएल, पीसीआरए से करार किया

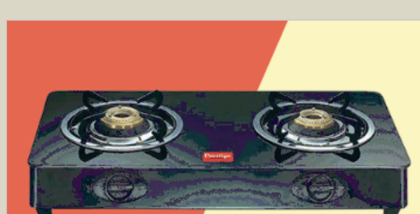

नयी दिल्ली, सार्वजनिक क्षेत्र की ऊर्जा दक्षता सेवा लिमिटेड (ईईएसएल) ने देशभर में ऊर्जा दक्षता पीएनजी कुकिंग स्टोव (ईईपीएस) कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान संघ (पीसीआरए) के साथ करार किया है। ईईएसएल बिजली मंत्रालय के तहत सार्वजनिक क्षेत्र का संयुक्त उपक्रम है। शनिवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि ईईएसएल ने अखिल भारतीय स्तर पर ईईपीएस कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत पीसीआरए के साथ सहमति ज्ञापन (एमओयू) किया है। संरक्षण क्षमता महोत्सव (सक्षम) अभियान, 2021 के शुभारंभ के मौके पर पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस सचिव और पीसीआरए के चेयरमैन तरुण कपूर की उपस्थिति में एमओयू का आदान-प्रदान किया गया। सक्षम पीसीआरए का एक माह तक चलने वाला वार्षिक कार्यक्रम है। एमओयू के तहत ईईएसएल द्वारा देशभर में ईईपीएस कार्यक्रम का क्रियान्वयन किया जाएगा। पीसीआरए के साथ सहयोग में ईईएसएल इस कार्यक्रम का प्रसार करेगी और संभावित ग्राहकों को ऊर्जा दक्ष पीएनजी (पाइप्ड प्राकृतिक गैस) आधारित कुकिंग स्टोव का वितवरण करेगी। ईईपीएस कार्यक्रम के पहले चरण में देश के चुनिंदा शहरों में 10 लाख ऊर्जा दक्ष पीएनजी कुकिंग स्टोव का वितरण किया जाएगा। यह कार्यक्रम संबंधित क्षेत्रों में सभी पीएनजी ग्राहकों के लिए होगा। उपभोक्ता इस कार्यक्रम के लिए दो तरीकों अग्रिम और ईएमआई (मासिक किस्त) के जरिये भुगतान कर सकते हैं। ईईएसएल इस कार्यक्रम का क्रियान्वयन जरूरी निवेश जुटाकर करेगी। वह खरीद, वितरण, सालाना रखरखाव और वॉरंटी प्रतिबद्धताओं को पूरा करेगी। पीसीआरए के कार्यकारी निदेशक निरंजन कुमार सिंह ने इस भागीदारी पर कहा, ''प्राकृतिक गैस स्वच्छ ऊर्जा स्रोत है। इस कार्यक्रम से न केवल ग्राहकों को लाभ होगा बल्कि इससे ऊर्जा की बचत और उत्सर्जन में कमी लाने में भी मदद मिलेगी।'' ईईएसएल के प्रबंध निदेशक रजन सूद ने कहा, ''भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, देहरादून के साथ विचार-विमर्श के बाद यह पीएनजी स्टोव बनाया गया है। यह अधिक दक्ष और सुरक्षित है। पीएनजी स्टोव को विशेषरूप से पाइप वाली रसोई गैस के ग्राहकों की जरूरत को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है।''

दिसंबर 2020 में व्यापार घाटा 25 महीने की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा, निर्यात भी बढ़ा

नई दिल्ली:

देश का निर्यात दिसंबर 2020 में बढ़कर 27.15 अरब डॉलर पर पहुंच गया। जबकि आयात 7.56 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 42.59 अरब डॉलर पर पहुंच गया। शुक्रवार को जारी आधिकारिक डेटा से यह जानकारी मिली है। मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट दिसंबर 2019 में 27.11 डॉलर पर था जबकि आयात कुल 39.59 अरब डॉलर पर रहा था। सरकारी डेटा के मुताबिक, दिसंबर 2020 के लिए व्यापार घाटा 15.44 अरब डॉलर पर रहा, जो दिसंबर 2019 में 12.49 अरब डॉलर पर था। इसमें 23.66 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यह 25 महीने में सबसे ज्यादा रहा है। सरकारी डेटा से यह जानकारी मिली है। डेटा के मुताबिक, भारत का कुल निर्यात (मर्चेंडाइज और सर्विसेज) अप्रैल-दिसंबर 2020-21 में 348.49 अरब डॉलर पर रहा, जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 12.65 फीसदी की नकारात्मक ग्रोथ है। अप्रैल-दिसंबर के दौरान कुल आयात सालाना आधार पर 25.86 फीसदी की गिरावट के साथ 343.27 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात गिरा

डेटा के मुताबिक, पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात दिसंबर में 35.35 फीसदी गिरकर 2.34 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। जबकि रेडिमेड कपड़ों का निर्यात 15.05 फीसदी गिरकर 1.19 अरब डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि, इलेक्ट्रिक सामान का निर्यात 16.51 फीसदी बढ़कर 1.25 अरब डॉलर पर पहुंच गया। और कैमिकल का निर्यात 10.79 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 2 अरब डॉलर हो गया। चावल, चाय, मसालों और ऑयल स्पाइस की शिपमेंट भी दिसंबर 2020 में पिछले साल के समान महीने के मुकाबले ज्यादा थी।

विमान ईंधन ATF के दाम 3% बढ़े, पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली: विमान ईंधन एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में शनिवार को तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम बढ़ने के बीच पिछले दो माह में यह एटीएफ कीमतों में चौथी वृद्धि है। हालांकि, नई ऊंचाई छूने के बाद पेट्रोल और डीजल कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों की मूल्य अधिसूचना के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में एटीएफ का दाम 1,512.38 रुपए प्रति किलोलीटर की बढ़ोतरी के साथ 52,491.16 रुपए प्रति किलोलीटर पर पहुंच गया गया है। एटीएफ कीमतों में यह एक दिसंबर, 2020 से चौथी वृद्धि है। उस दिन एटीएफ के दाम 7.6 प्रतिशत या 3,288.38 रुपए प्रति किलोलीटर बढ़ाए गए थे। 16 दिसंबर को एटीएफ कीमतों में 6.3 प्रतिशत या 2,941.5 रुपए प्रति किलोलीटर और एक जनवरी को 3.69 प्रतिशत या 1,817.62 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि हुई थी। एटीएफ कीमतों में प्रत्येक महीने की एक और 16 तारीख को बेंचमार्क अंतरराष्ट्रीय दरों के औसत मूल्य और पिछले पखवाड़े की विदेशी विनिमय दर के हिसाब से संशोधन होता है। मुंबई में शनिवार को एटीएफ का दाम 49,083.65 रुपए से बढ़कर 50,596.02 रुपए प्रति किलोलीटर हो गया।

HDFC बैंक का तीसरी तिमाही शुद्ध लाभ 14.36% बढ़कर 8,760 करोड़ रुपए रहा

मुंबई:

देश के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक का चालू वित्त वर्ष की दिसंबर में समाप्त तीसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 14.36 प्रतिशत बढ़कर 8,760 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एकल आधार पर बैंक का शुद्ध मुनाफा 18.09 प्रतिशत बढ़कर 8,758.29 करोड़ रुपए रहा। एकल आधार पर तिमाही के दौरान बैंक की कुल आय बढ़कर 37,522 करोड़ रुपए पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 36,039 करोड़ रुपए रही थी। बैंक के नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक शशिधर जगदीशन की अगुवाई में यह पहला तिमाही नतीजा है। इस दौरान बैंक की संपत्ति की गुणवत्ता में सुधार हुआ। तिमाही के दौरान बैंक की सकल गैर निष्पादित आस्तियां (एनपीए) कुल ऋण का 0.81 प्रतिशत रहीं, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 1.42 प्रतिशत तथा पिछली सितंबर तिमाही में 1.08 प्रतिशत पर थीं।

अब चलती ट्रेन में यात्रियों को फिर से मिलेगा मनपसंद खाना, रेलवे ने शुरू की यह सुविधा

बिजनेस डेस्क:

कोरोना के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए देशव्यापी लॉकडाउन लगाया गया था, उस वक्त ट्रेनें भी बंद कर दी गईं। हालांकि धीरे-धीरे ट्रेनें पटरी पर दौड़ने लगी हैं लेकिन ट्रेन के भीतर मिलने वाली सुविधाओं में कमी कर दी गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी गाइडलाइन्स को देखते हुए ट्रेनों में खाना बनाना, एसी बोगियों में कंबल, तकिया और चद्दर की सर्विस बंद कर दी गई। रेल मंत्रालय ने यात्रियों की सुविधा के लिए चुनिंदा स्टेशनों पर ई-कैटरिंग की सुविधा की फिर से शुरू करने का फैसला किया है। इसके लिए रेल मंत्रालय की कंपनी आईआरसीटीसी को रेलवे बोर्ड की तरफ से हरी झंडी मिल गई है। हालांकि अभी भी ट्रेन के पेंट्री कार में भोजन नहीं बनेगा। ट्रेनों में पहले की तरह डिब्बा बंद रेडी टू इट खाद्य पदार्थ ही परोसे जाएंगे।

कोरोना काल में बंद हुई थी सुविधा

रेलवे ने लॉकडाउन के बाद जब चरणबद्ध तरीके से ट्रेनों का संचालन किया था, उस समय ट्रेनों में लगे पेंट्री कार में फिर से भोजन बनाने का आदेश नहीं दिया था। सिर्फ इतना परमिशन मिला था कि पेंट्री कार में पानी गर्म किया जा सकता है ताकि उसी पानी से ट्रेन के डिब्बे में ही इंस्टेंट चाय-काफी या रेडी टू इट मैटेरियल तैयार किया जा सके। उस समय ई-कैटरिंग सेवा भी शुरू नहीं की गई थी।

मनपंसद खाना मिल सकेगा

आईआरसीटीसी की इस सुविधा के माध्यम से यात्री ऑनलाइन ही पसंदीदा खाना ऑर्डर कर सकेंगे। अभी तक तो डिब्बा बंद दाल चावल, उपमा, पोहा आदि जैसे व्यंजन ही ट्रेनों मिल रहे हैं। यह सभी यात्रियों को रास नहीं आता है, क्योंकि लोग ट्रेन में फुल मील खाने के आदि रहे हैं। अब वे चाहें तो तो डोसा सांभर या फिर मुर्ग मलाई या तंदूरी परांठा और शाही पनीर, कुछ भी आर्डर कर सकेंगे।

इसी महीने शुरू होगी सेवा

रेल मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार आईआरसीटीसी इसी महीने के अंत तक ई-कैटरिंग सर्विस शुरू कर देगी। अभी भी कोरोना खत्म नहीं हुआ है, इसलिए ई कैटरिंग शुरू करने के लिए रेलवे बोर्ड की तरफ से सख्त दिशा निर्देश मिले हैं। इनमें कामकाज के दौरान कई बार रेस्तरां के कर्मचारियों और डिलीवरी कर्मियों की थर्मल स्कैनिंग, नियमित अंतराल पर रसोई की सफाई, रेस्तरां के कर्मचारियों और डिलीवरी कर्मियों द्वारा सुरक्षात्मक फेस मास्क या फेस शील्ड का उपयोग शामिल है।

NPS खाते से लेन-देन हुआ आसान, पांच दिन के भीतर Account में आएंगे पैसे

- तीन साल पुराने खाते से ही पैसा निकल सकता है
- कुल राशि का केवल 25 फीसदी राशि निकालने की सुविधा
- नोडल ऑफिस को करना होगा लिखित आवेदन
- आवेदन के साथ ही देना होगा सपोर्टिंग डॉक्यूमेंट्स
- सेल्फ डिक्लेरेशन देने की सुविधा
- ऑफलाइन के साथ ही ऑनलाइन निकासी की सुविधा

बिजनेस डेस्क:

पेंशन फंड रेग्युलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी **(PFRDA)** ने नेशनल पेंशन सिस्टम **(NPS)** से आंशिक निकासी के नियमों को आसान कर दिया है। बदले हुए नियम के अनुसार, एनपीएस सब्सक्राइबर अब सेल्फ डिक्लेरेशन के जरिए इस फंड से आंशिक निकासी कर सकते हैं। यह रकम केवल 5 दिनों में आपके बैंक खाते में ट्रांसफर हो जाएगी।

ऐसे करना होगा प्रोसेस

ऐसे होगी ऑनलाइन निकासी

पहले **CRA** वेबसाइट **(https://cra-nsdl.com/CRA/)** पर जाना है। यहां **UserID** और **Password** के जरिए लॉगिन करना है। अब जो पेज खुलेगा उसमें **Partial Withdrawal** का विकल्प चुनना है। आप कितनी रकम निकाल सकते हैं वह आपकी स्क्रीन पर दिख जाएगी। निकासी के कारणों की जानकारी देनी है। उसके बाद **Self Declaration** का काम पूरा करना है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद रिक्वेस्ट सबमिट करना होता है। सबमिट करने से पहले बैंक अकाउंट डिटेल क्रॉस चेक कर लें। ओटीपी के जरिए आगे की तमाम प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। जिस दिन यह प्रक्रिया पूरी की जाएगी उस दिन को छोड़ कर 5 वर्किंग डे के भीतर आपके अकाउंट में पैसे आ जाएंगे।

पत्नी के नाम पर खोलें ऐसा खाता

पत्नी को इनडिपेंडेंट बनाने के लिए आप उसके नाम **NPS** अकाउंट खोल सकते हैं। **NPS** अकाउंट आपकी वाइफ को 60 साल की उम्र पूरी होने पर एकमुश्त रकम देगा। साथ ही हर महीने उन्हें पेंशन के रूप में रेगुलर इनकम भी प्राप्त होगी। **NPS** अकाउंट के साथ आप यह भी तय कर सकते हैं कि आपकी वाइफ को हर महीने कितनी पेंशन मिलेगी। इससे आपकी वाइफ 60 साल की उम्र के बाद पैसों के लिए किसी पर भी निर्भर नहीं रहेगी।

सॉफ्टवेयर के बाद अब भारत को हार्डवेयर के क्षेत्र में भी क्षमता विकसित करनी चाहिय: लेखी

नयी दिल्ली,

सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में भारत की ताकत को पूरी दुनिया जानती है लेकिन अब डिजिटल दुनिया के मौजूदा दौर में भारत को हार्डवेयर के क्षेत्र में भी अपनी मजबूत क्षमता को विकसित करना चाहिये क्योंकि डेटा रखरखाव और डेटा प्रबंधन में हार्डवेयर प्रौद्योगिकी की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है। डेटा संरक्षण विधेयक पर गठित संसदीय समिति की चेयरपर्सन और भारतीय जनता पार्टी की सांसद मीनाक्षी लेखी ने शनिवार को यह कहा। लेखी ने इस बात का उल्लेख किया कि आज जितने बड़े पैमाने पर डेटा का उपयोग हो रहा है और जितने बड़े स्तर पर इसकी खपत हो रही है, उनके मद्देनजर डेटा की सुरक्षा और संरक्षण के लिए एक व्यापक विधेयक की आवश्यकता सामने आई है।उन्होंने कहा कि आज नई-नई प्रौद्योगिकियों का अविष्कार हो रहा है। चाहे वह कृत्रिम मेधा (एआई) हो, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) की बात हो या फिर क्लाउड कप्यूटिंग हो, इन सबके आने से डेटा की सुरक्षा जरूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि डेटा प्रबंधन और संचार में गड़बड़ी और छलकपट से लोकतांत्रिक मूल्यों को भारी नुकसान हो सकता है। ऐसा यदि हुआ तो मुक्त और साफ-सुथरे चुनाव को भी क्षति पहुंच सकती है।

IPO से पहले इस सरकारी कंपनी ने जुटाए 1398 करोड़ रुपए, 18 जनवरी से आप कर सकते हैं निवेश

नई दिल्ली:

साल 2020 में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बाजार गुलजार रहा। तरलता की बेहतर स्थिति तथा निवेशकों की उत्साहवर्धक प्रतिक्रिया के चलते कंपनियों ने पिछले साल आईपीओ के जरिए करोड़ों रुपए जुटाए हैं। 2021 में भी आईपीओ बाजार मजबूत रहने की उम्मीद है। साल 2021 का पहला आईपीओ इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन **(IRFC)** लेकर आ रही है। कंपनी ने अपने से पहले शुक्रवार को एंकर निवेशकों से करीब 1,398 करोड़ रुपए जुटाए हैं।

जारी किए गए 3,34,563,007 इक्विटी शेयर

इस संदर्भ में कंपनी ने एक बयान में कहा कि कुल 31 एंकर निवेशकों को 26 रुपए प्रति शेयर की दर से 3,34,563,007 इक्विटी शेयर जारी किए गए। आईआरएफसी का निर्गम सोमवार को खुलेगा। इस मूल्य पर आईआरएफसी ने निवेशकों से कुल 1,398.63 करोड़ रुपए जुटाए। इन एंकर निवेशकों में एचडीएफसी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड, निप्पॉन लाइफ इंडिया ट्रस्टी लिमिटेड, सिंगापुर सरकार, कुवैत इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी फंड, कोटक महिंद्रा (इंटरनेशनल) लिमिटेड, गोल्डमैन सैक्स (सिंगापुर) पीटीई और टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड शामिल हैं।

18 से 20 जनवरी तक निवेश का IPO

ऐसा पहली बार होगा जब किसी पब्लिक सेक्टर की नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी **(NBFC)** का आईपीओ आएगा। निवेशकों के लिए यह आईपीओ 18 जनवरी से 20 जनवरी तक खुला रहेगा। कंपनी की बाजार से 4600 करोड़ रुपए जुटाने की योजना है। आईपीओ के लिए कंपनी ने प्राइस बैंड 25 रुपए से 26 रुपए प्रति शेयर तय किया है।

575 शेयरों का होगा एक लॉट

मालूम हो कि इस आईपीओ में 178.20 करोड़ शेयर होंगे। 178.20 करोड़ शेयरों में से 118.80 करोड़ नए शेयर जारी किए जाएंगे और सरकार 59.40 करोड़ रुपए की बिक्री पेशकश लाएगी। आईपीओ के लिए 575 शेयरों का एक लॉट होगा।

निवेशक न्यूनतम एक लॉट से लेकर अधिकतम 13 लॉट के लिए आईपीओ में पैसा लगा सकते हैं।

मोज एप के 10 करोड़ से भी अधिक यूजर्स

नई दिल्ली।

घरेलू लघु वीडियो प्लेटफॉर्म मोज ने शुक्रवार को घोषणा की कि उसके एप को गूगल प्ले स्टोर पर 100 मिलियन यानी 10 करोड़ से भी अधिक बार डाउनलोड किया गया है। मोज एप काफी कम समय में इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल की, इतने अधिक यूजर्स तक पहुंचने में एप को लगभग 6 महीने लगे हैं। कंपनी ने अपने बयान में कहा, उन्नत सुविधाओं के एक समूह के अलावा, मोज एप शक्तिशाली निर्माण उपकरण के साथ उपयोगकर्ताओं के अपने समुदाय को सशक्त बनाता है, जो मजबूत संपादन क्षमताओं, एक विशाल संगीत पुस्तकालय, कैमरा फिल्टर और उच्च आकर्षक और मजेदार मूल सामग्री बनाने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए विशेष प्रभाव द्वारा समर्थित है। मोज को गुगल प्ले स्टोर पर 1 जुलाई, 2020 को लॉन्च किया गया था, जहां लगातार यह टॉप एप में शामिल रहा। आईओएस पर बेहद लोकप्रिय होने के कारण मोज को एप स्टोर पर शीर्ष 10 सोशल नेटवर्किंग एप में स्थान दिया गया है। हाल ही में, इसे गुगल प्ले स्टोर द्वारा 2020 में बेस्ट एप फॉर फन के रूप में मान्यता मिली है। एप अंग्रेजी और कई भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है।

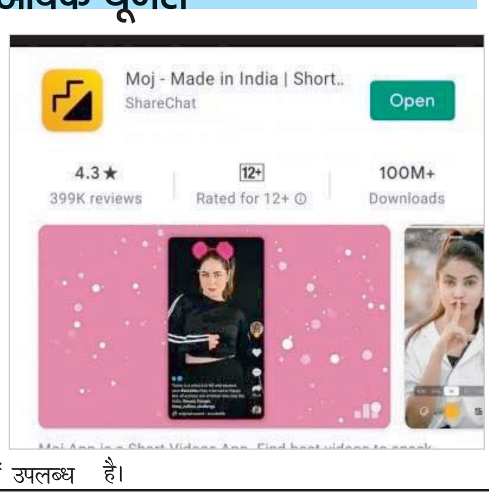

बिल गेट्स बने अमेरिका के 'सबसे बड़े किसान', खरीदी 2.42 करोड़ एकड़ खेती की जमीन

बिजनेस डेस्क:

माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक और दुनिया के सबसे चैथे सबसे अमीर शख्स बिल गेट्स ने बहुत बड़े पैमाने पर खेती की जमीन खरीदी है।

बिल गेट्स ने अमेरिका के अलग-अलग 18 राज्यों में कुल 2 लाख 42 हजार एकड़ खेती की जमीन खरीद ली है। डेली मेल की रिपोर्ट्स के मुताबिक वे इस जमीन पर स्मार्ट सिटी बनाएंगे। बिल ने खेती की जमीन के अलावा भी अच्छी खासी जमीन खरीद रखी है। इस प्रकार से उनकी 2,68,984 एकड़ जमीन के मालिक बन चुके हैं।

इन राज्यों में बिल गेट्स ने खरीदी जमीनें

रिपोर्ट्स के अनुसार बिल गेट्स ने एरिजोना में स्थित जमीन पर स्मार्ट सिटी बसाने की योजना बनाई है। बिल गेट्स 65 साल के हो चुके हैं और उन्होंने अमेरिका के कुल राज्यों में जमीनें खरीद रखी हैं। बिल ने अर्कंसस में 48 हजार एकड़ और एरिजोना में 25 हजार एकड़ खेती की जमीन खरीदी है। उन्होंने वर्ष 2018 में वाशिंगटन में 16 हजार एकड़ जमीन की खरीदी थी। वाशिंगटन में खरीदी गई जमीन में से 14.5 हजार एकड़ जमीन हॉर्स हैवेन हिल्स में खरीदी गई थी। इस जमीन के एवज में उन्हें करीब 1251 करोड़ रुपए चुकाने पड़े थे। यह वर्ष 2018 में खरीदी गई सबसे ज्यादा महंगी जमीन थी।

बिल गेट्स ने नहीं बताया कि वह इस जमीन का क्या करेंगे?

बिल गेट्स ने इतने बड़े पैमाने पर खेती की जमीन खरीदने को लेकर अभी तक यह नहीं बताया है कि वे इसका क्या करेंगे? कास्केड इंवेस्टमेंट कंपनी ने भी बिल गेट्स द्वारा जमीन की बड़े पैमाने पर खरीद को लेकर ज्यादा जानकारी नहीं दी है। हालांकि, यह कहा कि कंपनी सस्टेनेबल फार्मिंग को काफी मदद करती है।

बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने वर्ष 2008 में यह ऐलान किया था कि वे अफ्रीका और दुनिया के अन्य विकासशील क्षेत्रों के छोटे किसानों को फसल का उत्पादन बढ़ाने और उनकी आमदनी में इजाफा करने में मदद करेंगे।

वे वहां के किसानों की मदद के लिए 2238 करोड़ रुपए की सहायता दे रहे हैं। फाउंडेशन इस मदद का उद्देश्य छोटे किसानों को भूख और गरीबी से बाहर लाने का है।

नरसापुरम, अनकपल्ली से सिकंदराबाद तक दो और विशेष ट्रेनें

विजयवाड़ा।

दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के विजयवाड़ा डिवीजन ने संक्रांति की भीड़ को दूर करने के लिए रविवार को नरसापुरम और अनकपल्ली से सिकंदराबाद के लिए दो और विशेष ट्रेनों का संचालन करने की घोषणा की है। रेलवे के एक अधिकारी ने कहा, संक्रांति त्योहार के दौरान अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, एससीआर नरसापुर से सिकंदराबाद और अनकापल्ली से सिकंदराबाद के लिए दो तरह की विशेष ट्रेनें चलाएगा। नरसापुरम से सिकंदराबाद के लिए ट्रेन नंबर 07460 पश्चिम गोदावरी जिले के नरसापुरम में रविवार सुबह 5.35 बजे खुलेगी और सोमवार को 4.10 बजे सिकंदराबाद पहुंच जाएगी। इसी तरह, संक्रांति स्पेशल ट्रेन 07461, अनकापल्ली से सिकंदराबाद के लिए, विशाखापत्तनम जिले के अनकापल्ली से रात 8.50 बजे प्रस्थान करेगी और रविवार को सुबह 8.50 बजे सिकंदराबाद पहुंच जाएगी। हर साल, हैदराबाद में रहने वाले और काम करने वाले हजारों लोग अपने परिवार के साथ तेलुगू संस्कृति के सबसे बड़े हिंदू त्योहार संक्रांति मनाने के लिए अपने मूल स्थानों पर जाते हैं। एक बार जब फसल का त्यौहार समाप्त हो जाता है, तो वे सभी फिर से अपने सामान्य जीवन को फिर से शुरू करने के लिए हैदराबाद लौट जाते हैं।

इस दौरान सभी परिवहनों में भारी भीड़ हो जाती है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अपने बच्चों को बताउंगा कि रोनाल्डो के साथ खेला हूं : मोराता

मिलान। स्पेन और सेरी-ए क्लब जुवेंतस के फुटबाल स्टार अल्वारो मोराता का कहना है कि उनके लिए पुर्तगाली फुटबालर क्रिस्टीयानो रोनाल्डो के साथ युवेंतस के लिए खेलना गौरव का पल है और वह अपने बच्चों को बताएंगे कि वह रोनाल्डो जैसे महान खिलाड़ी के साथ खेले हैं। रोनाल्डो इस सीजन में युवेंतस के लिए 18 मैचो में 19 गोल कर चुके हैं। मोराता के मुताबिक रोनाल्डो सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक हैं और वह अपने बच्चों को बताएंगे कि वह इस चैम्पियन खिलाड़ी के साथ मैदान साझा कर चुके हैं। मोराता बीते साल सितम्बर में लोन पर एटलेटिको मेड्रिड से युवेंतस आए हैं और तब से वह 12 मुकाबलो में चार गोल और पांच एसिस्ट कर चुके हैं। मोराता रियल मेड्रिड में भी रोनाल्डो के साथ खेल चुके हैं। उनका कहना है कि दूसरी बार पुर्तगाली कप्तान के साथ मैदान साझा करना उनके लिए गौरव का क्षण है। मोराता ने कहा, रोनाल्डो के साथ खेलना आसान है। मैं काफी समय से उनको जानता हूं। कभी-कभी जब एक साधारण इंसान गोल नहीं कर पाता तो वह गोल देते हैं। मैं तथा रोनाल्डो एक दूसरे के खेल को समझते हैं और मैं उनके मूवमेंट के अनुसार ही मैदान पर मूवमेंट करता हूं।

ब्रिस्बेन टेस्ट

तीसरे सत्र का खेल धुला दूसरे दिन का खेल खत्म

ब्रिस्बेन। भारत और आस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीमों के बीच यहां के गाबा इंटरनेशनल स्टेडियम में जारी चौथे टेस्ट मैच के दूसरे दिन शनिवार को बारिश के कारण तीसरे सत्र में एक भी ओवर नहीं फेंका जा सका और स्टम्प्स की घोषणा कर दी गई। मेजबान टीम को 369 रनों पर समेटने के बाद टी टाइम तक भारत अपनी पहली पारी में दोनों ओपनरों के विकेट गंवाकर 62 रन बना लिए थे। इसके बाद का खेल सम्भव नहीं हो सका क्योंकि बारिश लगातार जारी रही। दिन के अंतिम पहर में बारिश छूटी लेकिन मैदान खेल के लायक नहीं रहा। बाकी के तीन दिनों में भी बारिश की आशंका जताई गई है। आज की नुकसान की भरपाई के लिए शेष तीन दिन का खेल निर्धारित समय से आधे घंटे पहले शुरू होगा। बहरहाल, मेजबान आस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 369 रन बनाए थे। इस लिहाज से भारतीय टीम 307 रन पीछे है। टी टाइम तक कप्तान अजिंक्य रहाणे ने दो और चेतेश्वर पुजारा ने आठ रन बनाए थे। भारत ने 26 ओवरों की सामना किया है। भारत ने मात्र 11 रनों पर शुभमन गिल (7) का विकेट गंवा दिया था। गिल को पैट कमिंस ने आउट किया। इसके बाद रोहित शर्मा (44) ने पुजारा के साथ मिलकर 49 रन जोड़े। 60 के कुल योग पर रोहित अपना 100वां टेस्ट खेल रहे नेथन लॉयन की गेंद पर मिशेल स्टार्क द्वारा कैच कर लिए गए। रोहित ने 74 गेंदों का सामना कर 6 चौके लगाए । रोहित लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर गए जो चोटों से जूझ रही भारतीय टीम के लिए चिंता का सबब हो सकता है। इससे पहले, अनुभवहीन भारतीय गेंदबाजों ने आस्ट्रेलिया की पहली पारी 369 रनों पर समेट दी। आस्ट्रेलियाई पारी की समाप्ति के साथ लंच घोषित कर दिया गया था। दूसरे दिन पेन ने अपना अर्धशतक पूरा किया और आस्ट्रेलिया ने 300 का स्कोर भी छुआ। पेना हालांकि 311 के कुल योग पर आउट हो गए। पेन को शार्दूल ठाकुर ने रोहित शर्मा के हाथों कैच कराया। पेन ने 104 गेंदों का सामना कर छह चौके लगाए। पेन और ग्रीन के बीच 98 रनों की साझेदारी हुई। पेन की विदाई के तुरंत बाद 313 के कुल योग पर ग्रीन भी आउट हो गए। ग्रीन ने 107 गेंदों पर छह चौके लगाए। इसके बाद 315 के कुल योग पर पैट कमिंस (2) भी आउट हो गए। इसके बाद हालांकि अपना 100वां टेस्ट खेल रहे नेथन लॉयन (24) और मिशेल स्टार्क (नाबाद 20) के बीच 40 गेंदों पर 39 रनों की उपयोगी साझेदारी हुई। लॉयन 354 के कुल योग पर पवेलियन लौटे। जोस हेजलवुड (11) को 369 के कुल योग पर अपना पहला टेस्ट खेल रहे टी. नटराजन ने तीसरा शिकार बनाया। भारत की ओर से अपना पहला टेस्ट खेल रहे नटराजन और वॉशिंगटन सुंदर के अलावा ठाकुर ने तीन-तीन विकेट लिए जबकि मोहम्मद सिराज तो एक सफलता मिली। टी. नटराजन डेब्यू मैच में विकेट लेने के मामले में भारत के दूसरे सबसे सफल लेफ्ट आर्म पेसर बन गए हैं। भारत के लिए डेब्यू मैच में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला लेफ्ट आर्म पेसर होने का रिकार्ड रुद्र प्रताप सिंह के नाम है, जिन्होंने 2005-06 में फैसलाबाद में पाकिस्तान के खिलाफ 89 रन देकर 4 विकेट लिए थे। आरपी सिंह ने 1952-53 सीजन में लखनऊ में पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू करते हुए 97 रन देकर तीन विकेट लेने वाले एसएस नयालचंद के रिकार्ड को पीछे छोड़ा था। अब नटराजन भी नयालचंद से आगे निकल गए हैं। चार मैचों की सीरीज में दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर हैं। आस्ट्रेलिया ने एडिलेड में खेले गए डे-नाइट टेस्ट में 8 विकेट से जीत हासिल की थी। जवाब में भारत ने मेलबर्न टेस्ट में शानदार वापसी करते हुए 8 विकेट की शानदार जीत हासिल कर 1-1 की बराबरी कर ली थी।

आईएसएल-7 : प्लेऑफ की उम्मीद बनाए रखते हुए नॉर्थईस्ट का सामना करेगी जमशेदपुर

वॉस्को (गोवा)।

हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन में लगातार दो हार झेल चुकी जमशेदपुर एफसी टॉप चार से नीचे खिसक चुकी है। हालांकि कोच ओवेन कॉयले का मानना है कि नीचे खिसकने का यह मतलब नहीं है कि उनकी टीम के प्रदर्शन में निरंतरता नहीं है। कॉयले का कहना है कि उनकी टीम वापसी करने का माद्दा रखती है कि और यही लक्ष्य लेकर वह रविवार को वॉस्को के तिलक मैदान पर नॉर्थईस्ट युनाइटेड से भिड़ेगी। जमशेदपुर के 11 मैचों में हाईलैंडर्स के नाम से मशहूर नॉर्थईस्ट से एक अंक ज्यादा है और वह एक पायदान ऊपर भी है। जमशेदपुर के पास अपने प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ वापसी करने का मौका होगा, जो अभी भी संघर्ष कर रही है। हाईलैंडर्स पिछले सात मैचों से एक भी मैच नहीं जीती है और टीम अपने मुख्य कोच गेरार्ड नुस से भी अलग हो चुकी है। उनकी जगह खालिद जमील नॉर्थईस्ट के अंतरिम कोच बनाए गए हैं। जमशेदपुर का नॉर्थईस्ट के खिलाफ पिछले सात मैचों से अजेय रहने का रिकॉर्ड है और इनमें से उसने दो बार जीत भी दर्ज की है। लेकिन इसके बावजूद कॉयले नॉर्थईस्ट को हल्के में लेने के मूड में नहीं है। कॉयले ने कहा, मुझे नहीं पता कि वे अच्छे फॉर्म में हैं या नहीं। लेकिन मुझे लगता है कि उन्होंने पिछले मैच में बेहतर प्रदर्शन किया था। नॉर्थईस्ट एक खतरनाक टीम है और उनका सामना करना चुनौतीपूर्ण होगा। वे बॉल को पास नहीं कर पा रहे हैं कि लेकिन उनके पास और भी अच्छी क्वालिटी है और इसे पहचानने की जरूरत है। हमें उनका सम्मान करना होगा और अपने मैच पर भी ध्यान देना होगा। जमशेदपुर के मिडफील्डर एलेक्जेंडर लिमा निलंबित होने के कारण इस मैच में नहीं खेल पाएंगे। कॉयले को उम्मीद है कि एफसी गोवा के खिलाफ चोटिल हुए कप्तान स्टीफन हार्टली इस मैच में वापसी कर सकते हैं। जमशेदपुर की तरह ही नॉर्थईस्ट भी इस मैच में वापसी करना चाहेगी। खराब फॉर्म के बावजूद एलिसन के का मानना है कि नुस के जाने से टीम पर प्रभाव नहीं पड़ेगा और उन्हें उम्मीद है कि टीम प्लेआफ में जगह बना सकती है। एलिसन ने कहा, हमें अपने प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी और अगर हम ऐसा करते हैं तो मुझे विश्वास है कि हम टॉप में पहुंच सकते हैं।

आस्ट्रेलियाई ओपन शुरू होने से पहले ही दो कोरोना पॉजिटिव

मेलबर्न । आस्ट्रेलियाई ओपन के लिए लॉस एजिलिस से खिलाड़ियों, कोचों और अधिकारियों को लेकर यहां पहुंची चार्टर्ड फ्लाइट में दो व्यक्ति कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। पॉजिटिव पाए गए व्यक्तियों में हवाई चालक दल का एक सदस्य और एक यात्री शामिल है जो खिलाड़ी नहीं है। इसके बावजूद अब इस उड़ान में मौजूद सारे यात्री 14 दिन होटल के कमरों से बाहर नहीं निकल सकेंगे और खिलाड़ी अभ्यास नहीं कर पाएंगे। विक्टोरिया प्रांत के स्वास्थ्य विभाग ने एक बयान में कहा- हवाई चालक दल का एक सदस्य और आस्ट्रेलियाई ओपन का प्रतिभागी (जो खिलाड़ी नहीं है) कोरोना जांच में पॉजिटिव पाए गए हैं। इसमें कहा गया- बाकी सभी 66 सहयात्रियों को करीबी संपर्क में आया माना जा रहा है। ये अब पृथकवास छोड़कर अभ्यास नहीं कर सकेंगे। बाकी सभी चालक दल के सदस्य नेगेटिव आए हैं और अपने अपने श्हर बिना यात्रियों के जाने की अनुमति मिल गई है। आस्ट्रेलियाई ओपन के टूर्नामेंट निदेशक क्रेग टिले ने एक बयान में कहा कि उड़ान में मौजूद 24 खिलाड़ी 14 दिन तक होटल के अपने कमरे में रहेंगे जब तक उनकी रिपोर्ट नेगेटिव नहीं आ जाती । इस उड़ान में दो बार की चैम्पियन विक्टोरिया अजारेंका शामिलऔर केइ निशिकोरि भी शामिल थे। आस्ट्रेलिया ओपन आठ फरवरी से शुरू होना है। कोरोना महामारी के कारण सत्र का पहला ग्रैंडस्लैम तीन सप्ताह की देरी से शुरू होगा।

आईएसएल-7 : मैरिनर्स के सामने आसान नहीं होगी गौर्स की राह

फातोर्दा(गोवा)।

एफसी गोवा के पास हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएस) के सातवें सीजन की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंचने का शानदार मौका है लेकिन इसके लिए उसे मैरिनर्स नाम से मशहूर मौजूदा चैम्पियन एटीके मोहन बागान को हराना होगा। फातोर्दा में रविवार को जीत के साथ गौर्स दूसरे स्थान पर काबिज मैरिनर्स को उनके मौजूदा पोजीशन से हटा सकते हैं।

यह मुकाबला काफी रोचक होगा क्योंकि यह दो एसी टीमों के बीच का मुकाबला होगा, जिसमें से एक का अटैक और एक का डिफेंस सबसे अच्छा है। गोवा ने इस सीजन में ओपन प्ले से 13 गोल किए हैं जबकि एटीकेएमबी ने संयुक्त रूप से सबसे कम चार गोल अपने कम होने दिए हैं। सीजन की खराब शुरूआत के बाद जान फेरांडो की टीम ने गुपचुप तरीके से नुकसान की भरपाई कर चुकी है। बीते चार मैचों से यह टीम अजेय है।

बीते चार में से तीन मैच यह जीत चुकी है और इस तरह वह अभी 11 टीमों की तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच चुकी है। अब तक शीर्ष के दो स्थान के लिए मुम्बई सिटी एफसी और एटीकेएमबी के बीच ही मुकाबला चल रहा है। इस मैच को लेकर फेरांडो ने कहा, कल का मैच अच्छा हगा क्योंकि हमारे पास तीन अंक हासिल करने के अलावा एक टीम के तौर पर सुधार करने का भी मौका होगा। यह लीग काफी संक्षिप्त है और इसी कारण हर एक मैच महत्वपूर्ण है। एक टीम के तौर पर हमारे लिए तीन अंक लेना बहुत जरूरी है। जैसा कि सब लोग जानते हैं कि हमारा लक्ष्य प्लेआफ है। फेरांडो को हालांकि कुछ चुनौतियों से भी गुजरना पड़ रहा है। लीड लाइन में कौन रहे यह समस्या है। जाज मेंदोजा ने पिछले मैच में दो गोल किए थे और इगोर एंगुलो इस मैच में सुपर-सब के तौर पर उतरे थे। साथ ही वह इस बात को लेकर भी चिंतित हैं कि उनकी टीम ने अब तक सेट-पीसेज से 8 गोल खाए हैं, जो कि एक बड़ी संख्या है। जहां तक एटीकेएमबी की बात है तो एंटोनियो हाबास की टीम पहले स्थान पर काबिज मुम्बई को पकड़ना चाहती है और इसके लिए उसे रविवार को हर हाल मं जीत चाहिए। हाबास ने कहा, मुम्बई के साथ क्या होता है हमें इससे मतलब नही है। हम क्या कर रहे हैं यह अहम है। हमें पिछले मैच में हार मिली थी और इसने हमारे अंक कम किए थे। हमें अब हर मैच जीतना है। हम पिछले मैच के बारे में नहीं सोच रहे। हाबास ने कहा कि वह जानते हैं कि गोवा के पास अच्छे खिलाड़ी हैं लेकिन उनकी टीम में अच्छे खिलाड़ी हैं और इनकी बदौलत वह अगले मैच में 90 मिनट की चुनौती स्वीकार करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सिडनी में सुरक्षाकर्मी ने भारतीय दर्शक पर की थी नस्लीय टिप्पणी

सिडनी। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) पर भारत और आस्ट्रेलिया के बीच खेले गए तीसरे टेस्ट के दौरान भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज पर हुई नस्लीय टिप्पणी की जांच जारी है और इस बीच एक ऐसी खबर आ रही है कि उस टेस्ट के दौरान स्टेडियम में मौजूद सुरक्षा अधिकारी ने भी एक भारतीय दर्शक पर नस्लीय टिप्पणी की थी। जिस भारतीय दर्शक पर यह नस्लीय टिप्पणी हुई है, उन्होंने खुद इसका खुलासा किया है। दर्शक ने शिकायत दर्ज कराते हुए कहा है कि स्टेडियम में मौजूद अधिकारी ने उनसे कहा था कि जहां से आए हो, वहीं चले जाओ। सिडनी में रहने वाले कृष्ण कुमार ने इसके खिलाफ आधिकारिक रूप से शिकायत दर्ज करवाई है। उन्होंने कहा कि सोमवार को मैदान पर चार बैनर ले जाने के बाद उन्हें निशाना बनाया गया। इस बैनर में नस्लीय विरोधी संदेश जैसे कि प्रतिद्वंद्विता अच्छी है, नस्लवाद नहीं, नस्लवाद साथी नहीं, गौरों का रंग मायने रखता है और क्रिकेट आस्टेलिया अधिक विविधताएं लाए शामिल है। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय दर्शक कुमार को स्टेडियम के गेट पर ही रोक लिया गया और उन्हें बैनर के साथ अंदर नहीं जाने दिया गया। सुरक्षाकर्मियों का कहना था कि बैनर की साइज बहुत बड़ी है। इसके बाद कुमार ने कहा कि वह सुरक्षा सुपरवाइजर से बात करना चाहते हैं। कुमार ने कहा कि इसके बाद अधिकारी ने उन्हें वहां से जाने को कहा। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड ने कुमार के हवाले से कहा, सुरक्षा अधिकारी ने मुझसे कहा कि अगर तुम्हें इस मामले को उठाना है तो वहीं चले जाओ, जहां से आए हो। मेरे पास बहुत छोटा सा बैनर था। इसे मैंने अपने बच्चों के पेपर से बनाया था। कुमार से कहा गया कि इस बैनर को वह अपने कार में ही छोड़ का आएं। कुमार ने कहा कि लंबी जांच और सुरक्षा अधिकारियों के काफी तेज चिल्लाने के बाद उन्होंने आखिरकार विक्टर टम्पर की ओर अपनी सीट ले ली। लेकिन जहां वह बैठे थे, वहां और उनके आसपास अधिक सुरक्षा मुहैया करा दी गई और इसमें भारतीय मूल की एक महिला सुरक्षा अधिकारी भी थीं और वह दूसरी भाषा में बात कर रही थीं।

लाखों बच्चों के लिए बेहतर उदाहरण रखिए : चैपल ने पेन से कहा

सिडनी। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ग्रेग चैपल ने मौजूदा टेस्ट कप्तान टिम पेन से कहा है कि वह बतौर कप्तान मैदान में अपने अच्छे व्यवहार से इस खेल में रुचि रखने वाले लाखों बच्चों के लिए बेहतर उदाहरण पेश करें। सिडनी टेस्ट में भारत के रविचंद्रन अश्विन को बल्लेबाजी के दौरान स्लेजिंग से परेशान करने के कारण पेन की काफी आलोचना हो रही है। सिडनी मार्निंग हेराल्ड में अपने कॉलम में चैपल ने पेन से कहा कि मेहमान टीम का सम्मान होना चाहिए और मेजबान टीम का कप्तान होने के नाते सबसे पहले आपकी जिम्मेदारी बनती है कि आप अपने साथियों के लिए एक उदाहरण पेश करें।

रिजिजू 19 जनवरी को करेंगे नेशनल खो खो कोचिंग कैम्प का उद्घाटन

नई दिल्ली।

केंद्रीय खेल मंत्री किरण रिजिजू 19 जनवरी को भारतीय खो खो महासंघ और अल्टीमेट खो खो लीग द्वारा फरीदाबाद के मानव रचना यूनिवर्सिटी कैम्पस में लगने वाले नेशनल खो खो कैम्प का उद्घाटन करेंगे। यह कैम्प इसलिए खास है क्योंकि इसमें खिलाड़ियों की क्षमताओं का आकलन करते हुए स्पोर्ट्स साइंस की मदद से उन्हें साइंटिफिक ट्रेनिंग दी जाएगी। यह कैम्प 28 दिनों का होगा और इसमें कुल 125 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। फरीदाबाद कैम्प में 60 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे जबकि बाकी के खिलाड़ी गुरुग्राम के एसजीटी विश्वविद्यालय में लगने वाले इसी तरह के उन्नत कैम्प का हिस्सा होंगे। उद्घाटन समारोह में खो खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल, भारतीय ओलंपिक संघ के सचिव राजीव मेहता, अल्टीमेट खो खो को प्रोमोटर और डाबर इंडिया के चेयरमैन अमित बर्मन, अल्टीमेट खो खो के सीईओ तेनजिंग नियोगी, एजीटी यूनिवर्सिटी के प्रो वाइस चांसलर प्रो. जीएल खन्ना, मानव रचना एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन के उपाध्यक्ष अमित भल्ला भी हिस्सा लेंगे। इस कैम्प को देश के कुछ बेहद खास खिलाड़ियों का समर्थन और सहयोग मिला है। उद्घाटन के दिन भारतीय क्रिकेट टीम के प्रमुख बल्लेबाज रहे सुरेश रैना, देश के लिए ओलंपिक में अब तक एकमात्र व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने वाले निशानेबाज अभिनव बिंद्रा, भारत के लिए ओलंपिक में लगातार दो पदक जीतने वाले एकमात्र पहलवान सुशील कुमार और भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी उपस्थित रहेंगे। इस कैम्प को लेकर केकेएफआई के अध्यक्ष मित्तल ने कुछ दिन पहले कहा था कि यह पहली बार हो रहा है कि ट्रेनिंग के लिए स्पोर्ट्स साइंस का सहारा लिया जा रहा है, जिसमें

खिलाड़ियों की क्षमताओं का आकलन कर उन्हें उसके अनुसार ट्रेनिंग दी जायेगी। मित्तल ने कहा था, हम खिलाड़ियों से जुड़े हर पक्ष पर काम करना चाहते हैं। हम खिलाड़ी की कद-काठी, उसके सामाजिक परिदृश्य, खान-पान इत्यादि को ध्यान में रखते हुए उसे ट्रेनिंग देंगे। इसमें हर खिलाड़ी की शारीरिक संरचना और खेल में उसकी भूमिका को देखते हुए उसके शरीर के विशेष हिस्सों को मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा, जिससे कि वह अपना श्रेष्ठ दे सके।

उनके पास क्वालिटी बल्लेबाज, वे वापसी करने का प्रयास करेंगे : मैक्डोनाल्ड

ब्रिस्बेन।

आस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के सहायक कोच एंड्रयू मैक्डोनाल्ड ने कहा कि उनकी टीम को उम्मीद है कि बारिश के बावजूद वे भारत के साथ जारी चौथे और अंतिम टेस्ट मैच जीतकर बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी को फिर से अपने पास रखना चाहेगी। भारत और आस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीमों के बीच यहां के गाबा इंटरनेशनल स्टेडियम में जारी चौथे टेस्ट मैच के दूसरे दिन शनिवार को बारिश के कारण तीसरे सत्र में एक भी ओवर नहीं फेंका जा सका और स्टम्प्स की घोषणा कर दी गई। मेजबान टीम को 369 रनों पर समेटने के बाद टी टाइम तक भारत अपनी पहली पारी में दोनों ओपनरों के विकेट गंवाकर 62 रन बना लिए थे। इसके बाद का खेल सम्भव नहीं हो सका क्योंकि बारिश लगातार जारी रही। दिन के अंतिम पहर में बारिश छूटी लेकिन मैदान खेल के लायक नहीं रहा। मैक्डोनाल्ड ने दिन का खेल समाप्ति के बाद कहा, ब्रिस्बेन में दिन ब दिन मौसम बदलता रहता है। मुझे नहीं लगता है कि हमारी ओर से कोई जल्दबाजी है। जब आप गेंदबाजी कर रहे होते हैं तो आप खेल को और ज्यादा तेज नहीं कर सकते। यह सबकुछ बॉल को सही जगह पर रखने की प्रक्रिया है। उनके पास क्वालीटी बल्लेबाज है और वे वापसी करने का प्रयास करेंगे। मैक्डोनाल्ड ने कहा कि दिन के अंत में रोहित शर्मा का विकेट लेना अहम रहा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह थोड़ अच्छा रहा। दिन की खेल समाप्ति से पहले रोहित को आउट करना शानदार था। गाबा में पहली पारी में 350 रन का स्कोर बुरा नहीं है। लेकिन हमें अभी काफी काम करने की जरूरत है।

ऑफ स्टंप के बाहर दरार पर गेंद करने की कोशिश करेंगे : लॉयन

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया के ऑफ स्पिनर नाथन लॉयन ने कहा है कि गाबा में भारत के साथ जारी चौथे और अंतिम टेस्ट मैच में वह ऑफ स्टंप के बाहर पड़ी दरार पर निशाना बनाकर वहां गेंदबाजी करके फायदा उठाना चाहते हैं। अपना 100वां टेस्ट मैच खेल रहे लॉयन की नजरें इस सीरीज में 400 विकेट लेने पर है। उन्होंने रोहित शर्मा को आउट करके अपना 397वां विकेट पूरा किया है। लॉयन ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा, पिच कल (पहले दिन) ही तीसरे दिन जैसी लग रही थी। इसमें कुछ दरारें नजर आ रही थी, इसलिए मैंने इसे निशाना बनाने की कोशिश की। मैं आमतौर पर टिम पेन के दाएं दस्ताने पर गेंद करता हूं, जोकि आफ स्टंप के बाहर लगभग एक फीट की दूरी पर है। इस विकेट पर अच्छी दरारें हैं, इसलिए उम्मीद करता हूं कि यहां से मुझे कुछ मदद मिल सकती है। लॉयन ने कहा कि वह वह ऋषभ पंत के खिलाफ गेंदबाजी करने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, ऋषभ मेरे खिलाफ आक्रामक शॉट खेलने की कोशिश करता है और मैं उनके खिलाफ गेंदबाजी करने को लेकर उत्साहित हूं। उनके साथ प्रतिस्पर्धा हमेशा से शानदार रहा है।

आईपीएल नीलामी : 4 फरवरी है रजिस्ट्रेशन का डेडलाइन, प्लेअर एजेंट को अनुमति नहीं

नई दिल्ली।

बीसीसीआई ने कहा है कि आईपीएल के 2021 सीजन के लिए होने वाली नीलामी में अगर कोई खिलाड़ी व्यक्तिगत रूप से शामिल होना चाहता है तो वह सीधे राज्य संघों से बात करेगी और इसके लिए किसी भी हाल में खिलाड़ी के एजेंट से बात नहीं की जाएगी। बीसीसीआई ने कहा है कि फ्रेंजाइटी जिन खिलाड़ियों की रिटेन कर रही हैं, उनकी सूची 20 जनवरी तक हर हाल में जारी कर देनी होगी। और जिन खिलाड़ियों के साथ कोई करार नहीं है, वे आईपीएल 2021 प्लेअर अग्रीमेंट के साथ चार फरवरी तक अपनी दावेदारी पेश कर सकते हैं। आईपीएल की नीलामी सम्भवतः इस साल 16 फरवरी को होगी। राज् संघों से कहा गया है कि अगर वे किसी खिलाड़ी को नीलामी में शामिल करना चाहते हैं तो वे उनका नाम सारी औपचारिकताओं के साथ भेजें। बीसीसीआई ने नीलामी में हिस्सा लेने के इच्छुक यू-19 खिलाड़ियों के लिए भी कुछ शर्ते तय की हैं। ऐसे सभी खिलाड़ियों का राज्य संघों के साथ पंजीकरण होना चाहिए और खिलाड़ी कम से कम एक प्रथम श्रेणी या फिर लिस्ट ए मैच खेला हुआ होना चाहिए। बोर्ड ने साथ ही घरेलू क्रिकेट से संन्यास ले चुके अनकैप्ड खिलाड़ियों के लिए भी शर्त रखी है और वह यह है कि अगर वे नीलमी में हिस्सा लेना चाहते हैं तो उन्हें रिटायरमेंट सम्बंधी दस्तावेज राज्य संघों से लेकर पेश करना होगा। कोरोना के कारण बीते साल आईपीएल का आयोजन देरी से ही सही लेकिन संयुक्त अरब अमीरात में किया गया था, जिसे मुम्बई इंडियंस ने जीता था। इस साल इसका आयोजन कहां होगा, यह अभी साफ नहीं है।

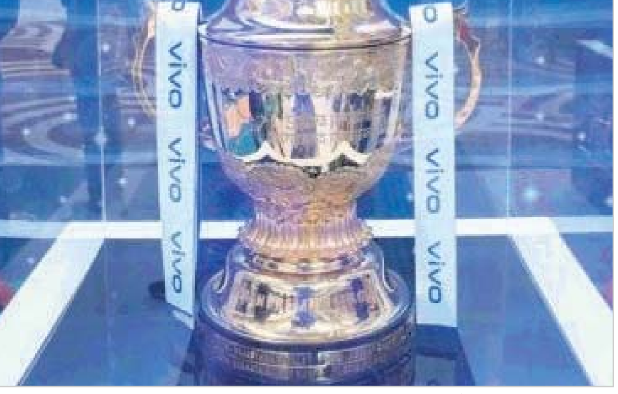

रोहित आलोचनाओं के बावजूद बोले, इस तरह के शॉट खेलना जारी रखूंगा

ब्रिस्बेन। आस्ट्रेलिया के साथ यहां जारी चौथे और अंतिम टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को गैर जिम्मेदाराना शॉट खेलकर सस्ते में अपनी विकेट गंवाने वाले भारतीय सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने कहा है कि वह इस तरह के शॉट खेलना जारी रखेंगे, क्योंकि उन्होंने इस तरह के शॉट से कॉफी रन बटोरे हैं। रोहित दूसरे दिन अपनी पहली पारी में केवल 44 रन बनाकर आउट हो गए। उन्होंने नाथन लॉयन की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया, लेकिन वह मिडविकेट पर कैच आउट हो गए।रोहित के इस शॉट की पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने कड़ी आलोचना की है और इसे गैर जिम्मेदाराना शॉट करार दिया है। गावस्कर ने कहा कि रोहित का यह अविश्वसनीय और गैर जिम्मेदाराना शॉट है। रोहित ने कहा कि यह शॉट उनकी रोजी-रोटी है और इस शॉट ने विपक्षी गेंदबाजों के खिलाफ उन्हें काफी रन बनाने में मदद की है। रोहित ने दूसरे दिन की खेल समाप्ति के बाद कहा, यह एक ऐसा शॉट है, जिसे मैं अतीत में काफी अच्छे तरीके से खेल चुका हूं। यह कुछ ऐसा है, जिसने मुझे ऐसा करने के लिए हमेशा मेरा समर्थन किया है। टीम में मेरी इसी तरह की जिम्मेदारी है। हां, जब इस तरह से कुछ होता है तो यह अच्छा नहीं लगता है और मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचता। मेरा ध्यान हमेशा वह करने की होती है, जिससे फायदा हो। उन्होंने कहा कि अपने इस विकेट से वह निराश है, लेकिन वह इस तरह के शॉट खेलना जारी रखेंगे। रोहित ने कहा, यह एक प्रक्रिया है, जोकि यह सुनिश्चित करता है कि एक बार जब मैं विकेट पर टिक जाऊं तो मैं विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाना जारी रख सकता हूं। इस तरह के शॉट पर कभी आप आउट हो जाते हैं तो कभी आप गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचा देते हैं। लेकिन यहां दुर्भाग्यपूर्ण है कि मैं इस तरह से आउट हुआ। लेकिन जैसा मैंने पहले ही कहा कि ये मेरा शॉट है और मैं इसे खेलना जारी रखूंगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं वरुण धवन और नताशा दलाल!

निर्देशक डेविड धवन के बेटे और एक्टर वरुण धवन बचपन की फ्रेंड को लंबे समय से डेट कर रहे हैं। कई बार दोनों की शादी को लेकर कई तरह की अफवाहों से बाजार गर्म हो चुका है। इस बार भी ऐसी खबरें आ रही है कि वरुण धवन बचपन की प्रेमिकाओं नताशा दलाल से शादी करने जा रहे हैं। इस बार परिवार के करीबी सूत्रों ने इस खबर की पुष्टि की है कि साल 2021 जनवरी के अंत में दोनों शादी के बंधन में बंध जाएंगे। अभिनेता के परिवार ने शादी समारोह के लिए ई-निमंत्रण भेजना शुरू कर दिया है, जो 24 जनवरी को मुंबई के पास अलीबाग में एक पांच सितारा होटल में होने का अनुमान है। कुछ खबरों की माने तो उनकी शादी की पहली रस्म मुंबई में ही होगी। शादी में केवल करीबी दोस्तों और परिवार के सदस्यों को ही बुलाया गया है।

शादी में परिवार के लोग ही शामिल होंगे

पिंकविला की एक रिपोर्ट के अनुसार, अलीबाग जाने से एक दिन पहले वरुण धवन के परिवार के सदस्य मुंबई में एक समारोह करेंगे। धवन परिवार के एक करीबी सूत्र ने पोर्टल को बताया कि अभिनेता का परिवार एक दिन पहले नताशा के जुहू स्थित घर पर जाएगा।

नताशा के घर पर होगी चुरनी चढ़ाने की रस्म

सूत्र ने कहा, 'दूल्हे के परिवार के सदस्य दुल्हन के घर में आभूषण, उपहार, मिठाई और लाल रंग की पोशाक जैसे साड़ी या लहंगा-चोली के साथ लाल चुनरी लेकर जाएंगे। लाल चुनरी को दुल्हे की मां के द्वारा होने वाली दुल्हर के सिर के ऊपर रखा जाता है। इस समारोह को चुन्री चाढ़ना कहा जाता है, जो परिवारों के भीतर मुंबई में होगी।'

रिश्तेदारों को भेजे गये ई-आमंत्रण पत्र

हाल ही में वरुण धवन और नताशा दलाल तब ट्रेंड करने लगे जब उनकी शादी की खबर वायरल हुई। समाचार रिपोर्टों में कहा गया है कि यह जोड़ा अलीबाग के एक पांच सितारा होटल में करीबी दोस्तों और परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में शादी करने जा रहा है। धवन के करीबी एक सूत्र ने पिंकविला को बताया, 'मुझे अभी एक ई-आमंत्रण मिला है और मुझे खुशी है कि आखिरकार यह हो रहा है। हम डेविड धवन के बेटे वरुण धवन की शादी में भाग लेने के लिए अलीबाग जाने वाले कई बी-टाउनर्स को देखेंगे हैं। सभी शादी की रस्मों के साथ यह एक बड़ा पंजाबी विवाह होगा।

वरुण धवन के चाचा अनिल धवन ने शादी की खबरों को बताया अफवाह

वरुण धवन के चाचा अनिल धवन ने शादी की अफवाहों का खंडन किया। उन्होंने बॉम्बे टाइम्स से कहा, 卐वाह, मैं हैरान हूं। वे इस महीने शादी कर रहे हैं, और हम जानते तक नहीं हैं। क्या वे लोग शादी के अंतिम दिन हमें इंवाइट करेंगे? क्या ये शादी गुप्त तरीके से की जा रही हैं?

अनिल ने कहा कि परिवार वरुण को घर बसाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। उन्होंने कहा, 'जो कुछ भी है, एक परिवार के रूप में हम उसे जल्द ही शादी करने के लिए राजी कर रहे हैं। मुझे लगता है कि यह एक ऐसी रस्म है जो आपको समय पर करने के लिए मिली है।

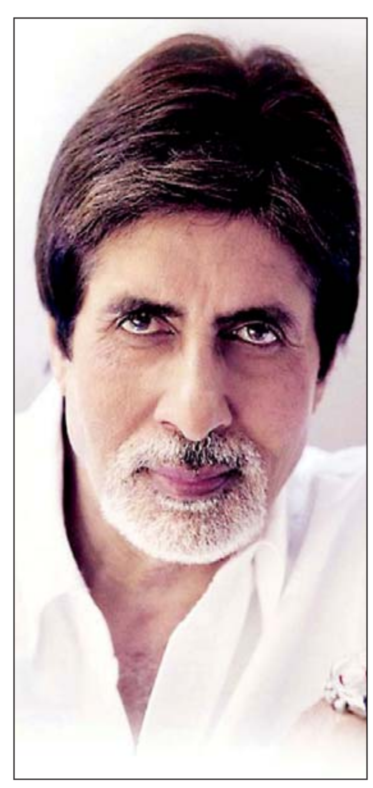

उत्तराखंड टूरिस्म को बढ़ावा देने के लिए रियलिटी शो की मेजबानी करेंगे अमिताभ बच्चन

बॉलीवुड महानायक अमिताभ बच्चन उत्तराखंड पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जल्द ही एक रियलिटी शो की मेजबानी करेंगे। उत्तराखंड मंत्रिमंडल ने शुक्रवार देर रात मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया।

कैबिनेट मंत्री और राज्य सरकार के प्रवक्ता मदन कौशिक ने कहा कि 100 डेज इन हेवन नाम के शो की मेजबानी दिग्गज बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन करेंगे, जिसका प्रसारण कई टीवी समाचार और मनोरंजन चैनलों पर किया जाएगा।

उन्होंने कहा, यह कार्यक्रम उत्तराखंड पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक तरह का विज्ञापन अभियान होगा, जो काम अभिनेता गुजरात के लिए कर रहे हैं। कौशिक ने कहा कि फिल्म निर्माण कंपनी मेसर्स जंपिंग टोमैटो मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड यह शो बनाएगी, जिसके लिए राज्य सरकार उसे 12.81 करोड़ रुपये देगी।

प्रीति जिंटा ने शेयर की 'दिल से' की शूटिंग के दौरान की थ्रोबैक तस्वीर, बोलीं- हाथी भी क्या सोच रहे होंगे...

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा अपने करियर में कई हिट फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। फिल्म 'दिल से' लेकर 'कहो ना प्यार है' में शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्होंने दर्शकों का दिल जीता हैं। इन दिनों प्रीति बॉलीवुड की चकाचौंध से दूर अपने पति जीन गुडइनफ संगलॉस एंजेलिस में रह रही हैं। लेकिन अकसर अपनी फिल्मी सफर के पुराने दिनों को याद करते हुए तस्वीरें और वीडियो फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं।

हाल ही में प्रीति जिंटा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म 'दिल से' की शूट के वक्त की थ्रोबैक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह हाथियों के बीच पोज दे रही हैं। उन्होंने इस तस्वीर के साथ मजेदार कैप्शन लिखा है, जो फैंस द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है।

दरअसल, इस तस्वीर में प्रीति 'जिया जले' गाने की शूटिंग कर रही हैं। वो पोज दे रही हैं और उनके पीछे कई हाथी खड़े हैं। इस तस्वीर को शेयर कर प्रीति ने लिखा, 'हाथी भी सोच रहे होंगे कि मैं क्या कर रही हूं? एक अच्छी लड़की की तरह मैं वही कर रही थी, जो फराह खान मुझसे कह रही थीं। ये दिल से की शूटिंग का सबसे फेवरेट पोज है।'

बता दें कि प्रीति जिंटा आखिरी बार साल 2018 में 'भईया जी सुपरहिट' में नज़र आई थीं, जिसमें सनी देओल भी थे। प्रीति ने सोल्जर, क्या कहना, कोई मिल गया, वीर जारा और कभी अलविदा ना कहना जैसी फिल्मों में काम किया है। हिन्दी सिनेमा के अलावा प्रीति जिंटा तेलुगू, पंजाबी और इंग्लिश फिल्मों में भी हाथ आजमा चुकी हैं।

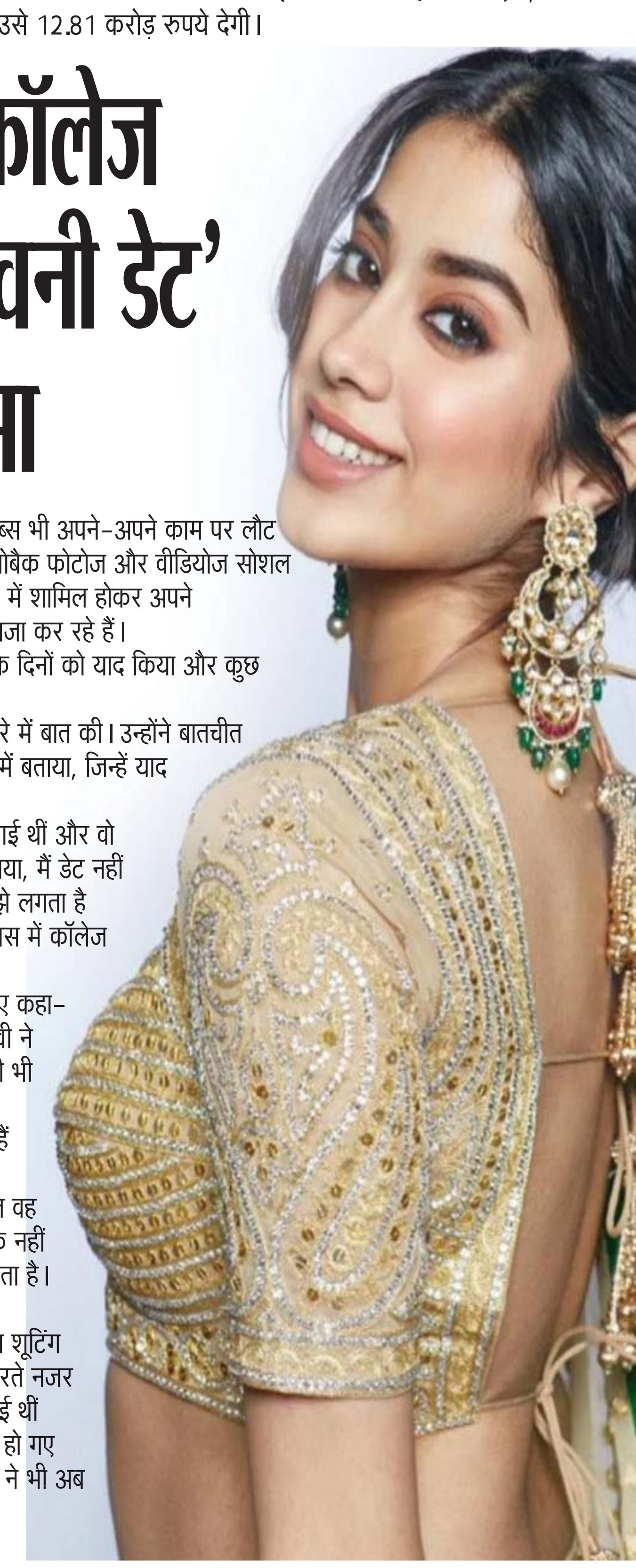

जाह्नवी कपूर ने कॉलेज के दिनों की 'डरावनी डेट' का किया खुलासा

कोरोना महामारी के बीच आमजनों की तरह बॉलीवुड सेलेब्स भी अपने-अपने काम पर लौट आए है। ऐसे में सेलेब्स से जुड़े कई कहानी-किस्से, थ्रोबैक फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे है। वहीं, सेलेब्स भी चैट शो में शामिल होकर अपने एक्सपीरियंस शेयर कर रहे हैं और पुरानी यादों को ताजा कर रहे हैं।

हाल ही में जाह्नवी कपूर ने एक इंटरव्यू में अपने कॉलेज के दिनों को याद किया और कुछ डरावनी बातों को शेयर किया।

जाह्नवी ने एक इंटरव्यू में अपने डेटिंग एक्सपीरियंस के बारे में बात की। उन्होंने बातचीत के दौरान अपनी डेटिंग लाइफ के डरावने वक्त के बारे में बताया, जिन्हें याद कर वे आज भी सहम जाती है।

जाह्नवी ने बताया कि कॉलेज के दिनों में वह एक डेट पर गई थीं और वो एक्सपीरियंस उनके लिए काफी खराब था। उन्होंने बताया, मैं डेट नहीं करती। मैं डेट्स पर बाहर जाना पसंद नहीं करती। मुझे लगता है आखिरी बार जब मैंने यह किया था तब मैं लॉस एंजलिस में कॉलेज की पढ़ाई कर रही थी।

जाह्नवी ने इस डेट को एक डरावना एक्सपीरियंस बताते हुए कहा- वो गलत था। उसने मुझे कुछ गलत ही कहा था। जाह्नवी ने बताया कि अगर वह किसी को पसंद करती हैं तो कभी भी खुद उसकी तरफ पहला कदम नहीं बढ़ाती हैं। वे इस मामले में बहुत शर्मीली है इसलिए वह कोशिश करती हैं कि सामने वाले कि लिए हिंट छोड़ दें।

जाह्नवी ने कहा कि उन्हें सामने वाले में दिलचस्पी है ये बात वह तब तक सामने नहीं आने देती हैं जब तक उन्हें ये साफ नहीं हो जाता है कि सामने वाला भी उनके बारे में यही सोचता है। उन्हें आंखों-आंखों में बातें करना पसंद है।

बता दें कि जाह्नवी कुछ दिनों पहले कार्तिक आर्यन के साथ शूटिंग में बिजी थी। दोनों फिल्म दोस्ताना-2 में साथ काम करते नजर आएंगे। दोनों ने बीते दिनों गोवा में साथ में छुट्टियां मनाई थीं और इसके बाद इस बात के ज्यादा कयास लगने शुरू हो गए कि दोनों रिलेशनशिप में हैं। हालांकि दोनों में से किसी ने भी अब तक इस बात की पुष्टि नहीं की है।

एफएटीएफ की बैठक से पहले अमेरिका ने दिया आतंकी पोषित पाकिस्तान को तगड़ा झटका

वाशिंगटन।(एजेंसी)।

फाइनेंशियल एक्शन टॉस्क फोर्स (एफएटीएफ) की ग्रे लिस्ट से निकलने की कोशिश कर रहे पाकिस्तान को अमेरिका ने तगड़ा झटका दिया है। वाशिंगटन ने लश्कर-ए-तैयबा को विदेशी आतंकी संगठनों की सूची में बरकरार रखा है। इसके अलावा पाक स्थित लश्कर-ए-झांगवी समेत सात और संगठनों को भी विदेशी आतंकी संगठन का दर्जा दिया गया है।

टेरर फंडिंग: पाकिस्तान पर एफएटीएफ की काली सूची की लटकती तलवार

अमेरिकी विदेश विभाग का यह आदेश एफएटीएफ की अगले माह वाले वाली एक अहम बैठक से ठीक पहले आया है। पाकिस्तान अभी एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में बना हुआ है, लेकिन अगर वह टेरर फंडिंग (आतंकवाद के वित्तपोषण) और मनी लांड्रिंग पर 27 प्वाइंट के एक्शन प्लान को पूरा नहीं करता है तो उसे काली सूची में डाला जा सकता है।

यदि पाक ग्रे लिस्ट से बाहर नहीं आता तो उसे आर्थिक मदद मिलना मुश्किल हो जाएगा

आखिरी बार हुई एफएटीएफ की बैठक में यह पाया गया था कि पाक ने सिर्फ 21 बिंदुओं पर काम किया है। अगर पाकिस्तान ग्रे लिस्ट से बाहर नहीं आता है तो उसे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ), विश्व बैंक और यूरोपीय संघ से आर्थिक मदद मिलना मुश्किल हो जाएगा।

अमेरिका ने 2001 में लश्कर को आतंकी संगठन करार दिया था

वर्ष 2008 में मुंबई हमले को अंजाम देने वाले लश्कर-ए-तैयबा को अमेरिका ने वर्ष 2001 में आतंकी संगठन करार दिया था। विदेशी आतंकी संगठन का दर्जा देने से इन समूहों पर हमले की साजिश रचने और हमला करने के संसाधन जुटाने की कोशिश पर लगाम लगाई जाती है। इतना ही नहीं, अमेरिका में संगठन से जुड़े लोगों की संपत्ति जब्त की जा सकती है और देश के नागरिकों को इनसे संपर्क नहीं करने को कहा जाता है। इन लोगों को मदद देना भी अपराध की श्रेणी में आता है। इससे पहले अमेरिका ने विदेशी आतंकी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए वर्ष 2019 में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए- मुहम्मद सहित अन्य आतंकी संगठनों के करीब 6.3 करोड़ डॉलर की वित्तीय मदद पर रोक लगा दी थी।

हरकत-उल-मुजाहिदीन कश्मीर में अपनी गतिविधियों को अंजाम देता है

अमेरिका ने लश्कर के 3,42,000 डॉलर, जैश के 1,725 डॉलर, हरकत उल मुजाहिदीन के 45,798 डॉलर के कोष पर रोक लगाने में सफलता हासिल की थी। ये तीनों पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन हैं। हरकत-उल-मुजाहिदीन जिहादी समूह है जो कश्मीर में अपनी गतिविधियों को अंजाम देता है।

सार समाचार

विमान दुर्घटना की जांच में सहयोग के लिये अमेरिका का एनटीएसबी दल इंडोनेशिया पहुंचा

जकार्ता। इंडोनेशिया में हुई श्रीविजय एयर बोइंग 737-500 विमान दुर्घटना की जांच में सहयोग के लिये अमेरिका के राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) की एक टीम राजधानी जकार्ता पहुंच गई है। इंडोनेशिया की राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा समिति के प्रमुख ने शनिवार को यह जानकारी दी। इस टीम में अमेरिका के संघीय विमानन प्रशासन, बोइंग तथा जनरल इलैक्ट्रिक के प्रतिनिधि भी शामिल हैं।

वे जकार्ता के तानजुंग प्रियोग बंदरगाह के खोज एवं बचाव कमान केन्द्र पर सिंगापुर के परिवहन सुरक्षा जांच ब्यूरो के कर्मियों के साथ विमान केमलबे की तलाश में जुटेंगे। नौ जनवरी को भारी बारिश के दौरान जकार्ता से उड़ान भरने वाले विमान का कुछ ही मिनट बाद यातायात नियंत्रकों से संपर्क टूट गया था। विमान जावा समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार सभी 62 लोगों की मौत हो गई।

दुनिया में सबसे ज्यादा भारत के 1.8 करोड़ प्रवासी दूसरे देशों में रह रहे: रिपोर्ट

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में सबसे ज्यादा भारत के 1.8 करोड़ प्रवासी दूसरे देशों में रह रहे हैं। इसमें कहा गया है कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), अमेरिका और सऊदी अरब में सबसे ज्यादा प्रवासी भारतीय हैं। संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग (यूएन-डीईएसए) के जनसंख्या खंड द्वारा जारी रिपोर्ट 'इंटरनेशनल माइग्रेशन 2020 हाईलाइट्स' में कहा गया है कि दुनिया में सबसे ज्यादा प्रवासी भारतीय हैं और वे कई देशों में रह रहे हैं। वर्ष 2020 में भारत के 1.8 करोड़ लोग दूसरे देशों में रह रहे थे।

भारत के बाद मेक्सिको और रूस (दोनों 1.1 करोड़), चीन (एक करोड़) और सीरिया (80 लाख) के लोग दूसरे देशों में हैं। दूसरे देशों में रह रहे भारतीयों की सबसे बड़ी आबादी संयुक्त अरब अमीरात (35 लाख), अमेरिका (27 लाख), सऊदी अरब (25 लाख) में रहती है। रिपोर्ट में कहा गया कि ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, कुवैत, ओमान, पाकिस्तान, कतर और ब्रिटेन में भी प्रवासी भारतीयों की अच्छी खासी आबादी है।

पैसा नहीं चुकाने पर पाकिस्तान के विमान को मलेशिया ने किया जब्त, यात्रियों को नीचे उतारा

इस्लामाबाद। पैसे-पैसे को मोहताज पाकिस्तान के बुरे दौर में उसके मित्र ने भी करारा झटका दिया है। मलेशिया ने पाकिस्तान की सरकारी विमानन कंपनी पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस के बोइंग 777 यात्री विमान को जब्त कर लिया है। विमान लीज पर लिया गया था और पैसा नहीं चुकाने पर विमान को जब्त कर लिया गया। क्वालालंपुर एयरपोर्ट पर घटना के समय विमान में यात्री और चालकों को विमान से उतार दिया गया। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस ने ट्वीट कर एक बयान जारी करते हुए कहा कि पीआईए एक एयरलाइन को मलेशिया की स्थानीय अदालत ने वापस मंगवा लिया है। जबकि यह विवाद पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन और अन्य पार्टी के बीच यूके कोर्ट में लंबित है।

गिलगित बाल्टिस्तान में चीन बनाएगा 800 किमी लंबी नई सड़क, भारत ने की आलोचना

नई दिल्ली। लद्दाख पर और दबाव बढ़ाने के लिए चीन ने पाकिस्तान के साथ मिलकर एक सड़क बनाने का फैसला किया है जो पाकिस्तान में अस्तोर के साथ 800 किलोमीटर के काराकोरम राजमार्ग को गिलगित बाल्टिस्तान से जोड़ेगा। उच्च पदस्थ सूत्रों ने एक बेवसाइट को बताया कि चीन यरकंद को एक पूर्व बौद्ध फाउंटेन और बाद में सांस्कृतिक दिल की धड़कन जातीय उइगर संस्कृति से जोड़ना चाहता है, जिसका संबंध काराकोरम राजमार्ग के माध्यम से एस्टोर से है। एस्टोर जिला लद्दाख से ज्यादा दूर नहीं है। यह पाकिस्तान के एक डिवीजन मुख्यालय स्कर्दू के पश्चिम में है, जहां चीन और भारत के बीच सैन्य गतिरोध जारी है। अस्तोर ईदगाह के मुख्यालय के रूप में जाना जाता है। यह गिलगित बाल्टिस्तान के 14 जिलों में से एक है। खराब सड़क वर्तमान में ईदगाह को काराकोरम राजमार्ग से जोड़ती है, जो 43 किलोमीटर दूर है। विश्लेषकों का कहना है कि नई सड़क के निर्माण से चीन और पाकिस्तान के बीच कश्मीर में भारत के खिलाफ दो मोर्चे की लड़ाई शुरू करने की क्षमता बढ़ जाएगी, जब तक कि नई दिल्ली द्वारा प्रभावी रूप से बाधित नहीं किया जाता है। 29 अगस्त को पैंगोंग त्सो झील के दक्षिण में कैलाश रेंज ले जाकर चीनी सामरिक तैनाती के साथ साथ प्रारंभिक रणनीतिक लाभ का मुकाबला करते हुए स्पष्ट संकेत दिया गया है कि भारत हिमालय में नहीं, बल्कि इंडो के जल क्षेत्र में अपने जंगलों को स?थापित करने की तैयारी कर रहा है। जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ साझेदारी में चीन ने हिट करने के लिए महत्वपूर्ण मील के पत्थर पार कर लिए हैं, जहां यह सबसे महत्वपूर्ण है चीनी वाणिज्यिक जहाजों द्वारा उपयोग किए जाने वाले प्रमुख शिपिंग लेन जो अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (एएनआई) से गुजरते हैं।

माइक पेंस ने दी हैरिस को बधाई, सत्ता हस्तांतरण में पूरी तरह सहयोग की पेशकश की

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने अपनी उत्तराधिकारी और देश की नव निर्वाचित उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से बात कर उन्हें बधाई दी और सत्ता के हस्तांतरण में पूरा सहयोग देने की पेशकश की। मीडिया में आईं खबरों में यह जानकारी दी गई है। हालांकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और नव-निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच कोई संवाद नहीं हुआ है, जिसे अमेरिका के इतिहास में अभूतपूर्व बताया जा रहा है।

न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने बृहस्पतिवार को नव-निर्वाचित उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को फोन कर बधाई देते हुए सत्ता हस्तांतरण में सहयोग की पेशकश की। हालांकि ट्रंप ने ऐसा नहीं किया है। वह अगले सप्ताह बाइडन के शपथ ग्रहण समारोह से पहले राजधानी से बाहर जाने की योजना बना रहे हैं। शुक्रवार से पहले, पिछले साल अक्टूबर में उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के तौर पर पेंस (61) और हैरिस (56) के बीच प्रत्यक्ष संवाद हुआ था। वहीं तीन नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे आने के बाद से भी दोनों नेताओं के बीच पहली बार सीधे तौर पर बातचीत हुई है। राष्ट्रपति तथा नव-निर्वाचित राष्ट्रपति के बीच पारंपरिक रूप से होने वाली मुलाकात इस बार नहीं हो पाई है।

ऐसा ही उपराष्ट्रपति और नव-निर्वाचित उपराष्ट्रपति के मामले में भी हुआ है। ट्रंप ने छह जनवरी को घोषणा की थी कि वह बाइडन के शपथ ग्रहण समारोह में शिरकत नहीं करेंगे। समारोह से कुछ समय पहले ट्रंप व्हाइट हाउस से फ्लोरिडा स्थित अपने मार-ए-लागो रिसॉर्ट जाने वाले हैं। ट्रंप अभी तक बाइडन के सामने मिली चुनावी हार को स्वीकार करने से इनकार करते रहे हैं। हालांकि उन्होंने वादा किया है कि सत्ता का शांतिपूर्ण तरीके से हस्तांतरण किया जाएगा।

नेपाल के विदेश मंत्री ने कहा, घरेलू राजनीति में बाहरी दखल मंजूर नहीं

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

नेपाल के विदेश मंत्री प्रदीप कुमार ज्ञवाली ने कहा है कि उनका देश आंतरिक समस्याओं से निपटने में सक्षम है और उसे घरेलू राजनीति में कोई बाहरी हस्तक्षेप मंजूर नहीं है। नेपाल में संसद भंग होने के बाद राजनीतिक उथल-पुथल के दौरान चीन द्वारा दखल देने की कोशिशों के बीच ज्ञवाली ने यह बात कही है। शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए ज्ञवाली ने कहा कि हमने घरेलू राजनीति में बाहरी दखल कभी मंजूर नहीं किया है। हम अपनी समस्याएं सुलझाने में सक्षम हैं। निकट पड़ोसी होने के नाते कुछ चिंताएं हो सकती हैं। लेकिन कोई हस्तक्षेप हमें स्वीकार नहीं है।

उल्लेखनीय है कि नेपाल में प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली द्वारा अचानक संसद भंग कर दिए जाने के बाद चीन ने कम्युनिस्ट पार्टी के अंतरराष्ट्रीय विभाग के उप मंत्री गोउ येझोउ के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल काठमांडू भेजा था। चीनी प्रतिनिधिमंडल ने नेपाल के लगभग सभी शीर्ष नेताओं से बातचीत की, लेकिन उसे खाली हाथ लौटना पड़ा। नेपाली राजनीति में चीनी दखल के इस प्रयास की कड़ी आलोचना हुई। ज्ञवाली ने कहा कि भारत और चीन दोनों के साथ नेपाल के संबंध अच्छे हैं और वह एक-दूसरे के साथ संबंधों की तुलना नहीं करता है। देश में जारी राजनीतिक संकट और इसमें पार्टी नेता पुष्प कमल दहल प्रचंड की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर ज्ञवाली ने सीधी टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया और कहा कि देश का विदेश मंत्री होने के नाते वे नेपाल के हर व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं।

भारत और नेपाल के संबंधों में असीमित संभावनाएं : राजनाथ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत और नेपाल के संबंधों में असीमित संभावनाएं हैं। उन्होंने ट्वीट किया, नेपाली विदेश मंत्री प्रदीप कुमार ज्ञवाली के साथ मुलाकात शानदार रही। भारत के साथ नेपाल के संबंध दोनों देशों की सरकारों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह दोनों देशों के लोगों द्वारा संचालित है। उल्लेखनीय है कि ज्ञवाली इस समय तीन दिनों की भारत यात्रा पर नई दिल्ली में हैं। शुक्रवार को उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर विस्तृत चर्चा की थी।

कोरोना का कहर जारी, ब्रिटेन ने बंद किए सभी ट्रेवेल कॉरिडोर, दुनिया में संक्रमण से मौत का आंकड़ा 20 लाख के पार

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

दुनिया के कई देशों में कोरोना वायरस के खिलाफ टीकाकरण अभियान शुरू होने के बावजूद महामारी का कहर जारी है। विश्व में इस घातक वायरस की चपेट में आकर जान गंवाने वाले लोगों की संख्या 20 लाख के पार पहुंच गई है। जबकि संक्रमित लोगों का वैश्विक आंकड़ा नौ करोड़ 37 लाख से ज्यादा हो गया है। इस बीच, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अगले 100 दिनों में दुनिया के हर देश में टीकाकरण अभियान शुरू होने की उम्मीद जताई है।

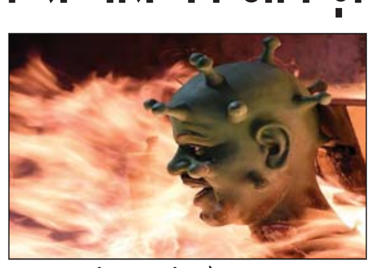

मृतकों की आंकड़ा 20 लाख के पार

जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के डाटा के अनुसार, शनिवार सुबह दुनिया में कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा 20 लाख छह हजार 987 हो गया। विश्व में सबसे ज्यादा मौतें अमेरिका में हुई हैं। इस देश में तीन लाख 91 हजार से अधिक पीड़ितों की जान गई है। इसके बाद ब्राजील में दो लाख सात हजार से ज्यादा मरीजों ने दम तोड़े हैं।

100 दिनों में हर देश में शुरू हो सकता है टीकाकरण

भारत में एक लाख 52 हजार से अधिक की जान गई है। मेक्सिको में भी एक लाख 39 हजार से अधिक मौतें हुई हैं। इधर, डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अदनोम घेबरेसस ने एक वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि वह अगले 100 दिनों में हर देश में टीकाकरण अभियान शुरू होने की उम्मीद कर रहे हैं।

ब्रिटेन ने बंद किए सभी ट्रेवेल कॉरिडोर

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने शुक्रवार को एलान किया कि देश के सभी ट्रेवल कॉरिडोर को अस्थायी तौर पर बंद किया जाएगा। यह आदेश सोमवार से प्रभावी होगा। यह कदम कोरोना के नए स्ट्रेन की रोकथाम के मद्देनजर उठाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ब्रिटेन में सिर्फ उन्हीं लोगों को प्रवेश दिया जाएगा, जिनका कोरोना टेस्ट निगेटिव होगा। कोरोना महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहे इस देश में नया स्ट्रेन मिलने के बाद संकट गहरा गया है।

पाकिस्तान ने नहीं दिया किसी वैक्सीन के लिए ऑर्डर

पाकिस्तान की इमरान सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि उनके देश ने अभी तक वैक्सीन के लिए कोई ऑर्डर नहीं दिया है। वैक्सीन निर्माता किसी कंपनी ने टीके की आपूर्ति के लिए पाकिस्तान के आग्रह को भी स्वीकार नहीं किया है। स्वास्थ्य मसले पर प्रधानमंत्री के विशेष सहायक फैसल खान ने यह जानकारी दी। उन्होंने एक अखबार को बताया, 'हम कोरोना वैक्सीन पाने के लिए कड़ी मशक्कत कर रहे हैं।'

अमेरिका में मौत की धमकी मिलने के बाद भूमिगत हुए ट्रंप समर्थक पार्लर एप के सीईओ

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका की एक अदालत में पार्लर एप की कानूनी टीम ने बताया कि कंपनी के सीईओ जॉन मैट्ज और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी मिल रही है। इसके चलते वे भूमिगत हो गए हैं। पार्लर एक वैकल्पिक इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म है। इसका ट्रंप समर्थकों ने बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया। संसद पर हमले के बाद गूगल ने अपने प्लेस्टोर से इस प्लेटफार्म को हटा दिया था। एपल और अमेजन ने भी ऐसे ही कदम उठाए थे। अमेरिकी मीडिया में आई खबरों के अनुसार, मैट्ज की टीम ने शुक्रवार को कोर्ट को जानकारी दी। उनके वकीलों ने बताया कि मैट्ज और उनका परिवार मौत की धमकी और निजी सुरक्षा में सेंध की घटनाओं के बाद भूमिगत हो गया है। मैट्ज ने बीते सप्ताह फॉक्स न्यूज को बताया था कि उनको कई प्रकार की धमकियां मिल रही हैं। वह अपने परिवार की सुरक्षा के लिए उपाय करेंगे।

बुधवार की सुबह व्हाइट हाउस छोड़ेंगे डोनाल्ड ट्रंप : मेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बुधवार, 20 जनवरी की सुबह ही व्हाइट हाउस छोड़ देंगे। जो बाइडन इसी दिन अमेरिका के 46वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेंगे। उनके शपथ ग्रहण समारोह में ट्रंप की जगह उप राष्ट्रपति माइक पेंस परंपराएं निभाएंगे। ट्रंप पहले ही यह एलान कर चुके हैं कि वह बाइडन के शपथ ग्रहण में शामिल नहीं होंगे। ट्रंप राष्ट्रपति भवन यानी व्हाइट हाउस से निकलकर फ्लोरिडा के पाम बीच काउंटी स्थित अपने मार-ए-लागो क्लब जाएंगे। सत्ता हस्तांतरण की योजना से जुड़े सूत्रों के अनुसार, ट्रंप के व्हाइट हाउस छोड़ने की बात अधिकृत रूप से सामने तो नहीं आई है, लेकिन जो तैयारियां हैं उनसे जाहिर होता है कि वह बुधवार सुबह ही व्हाइट हाउस को अलविदा कह देंगे। विदाई के समय उनको 21 तोपों की सलामी दी जा सकती है। ट्रंप ने परंपरा तोड़ते हुए बाइडन के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में शामिल न होने की घोषणा पहले ही कर दी है। उनके स्थान पर उप राष्ट्रपति पेंस समारोह में शिरकत करेंगे और सभी परंपराओं को पूरा करेंगे। प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि कुछ सलाहकारों ने ट्रंप से आग्रह किया है कि वह व्हाइट हाउस में बाइडन की मेजबानी करें, लेकिन उन्होंने इस पर कोई इच्छा नहीं व्यक्त की।

पाकिस्तान में ईसाइयों का भारी उत्पीड़न, अल्पसंख्यकों के रहने लायक नहीं है पड़ोसी देश

नई दिल्ली।(एजेंसी)।

ईसाई समुदाय पाकिस्तान में भारी उत्पीड़न झेल रहा है। जीवन के हर क्षेत्र में उसे मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। यह बात ईसाइयों के उत्पीड़न के संबंध में जारी होने वाली वार्षिक रिपोर्ट में कही गई है। ईसाइयों के खिलाफ उत्पीड़नात्मक कार्रवाई करने वाले 50 देशों में पाकिस्तान शीर्ष पांच में शामिल है। वह पांचवें स्थान पर है। इन सभी देशों में धर्म के आधार पर ईसाइयों का उत्पीड़न होता है।

अमेरिका की वैश्विक संस्था का आकलन

वर्ल्ड वाच लिस्ट की रिपोर्ट में कहा गया है कि जो लोग इस्लाम धर्म छोड़कर ईसाई बने हैं, पाकिस्तान में उनका सर्वाधिक उत्पीड़न हो रहा है। जबकि बाकी के ईसाई पाकिस्तान में दोयम दर्जे के नागरिक का जीवन जी रहे हैं। रिपोर्ट में पाकिस्तान को कट्टर इस्लामी देश बताया गया है। ईसाइयों का उत्पीड़न करने वालों देशों की यह सूची ईसाइयों की स्थिति पर कार्य करने वाली अमेरिका की ओपेन डोर्स नाम की संस्था तैयार करती है।

संस्था की रिपोर्ट प्रत्येक वर्ष जनवरी में जारी की जाती है। इसमें ओपेन डोर्स के दुनिया भर में कार्यरत कार्यकर्ताओं की सूचनाओं और आंकड़ों का उल्लेख होता है। ये कार्यकर्ता ईसाइयों के उत्पीड़न की घटनाओं और उनके स्तर का आकलन करते हैं। ये कार्यकर्ता पांच बिंदुओं पर उत्पीड़न के स्तर का आकलन करते हैं। इनमें ईसाइयों के खिलाफ होने वाली हिंसक घटनाएं भी शामिल हैं।

धार्मिक आधार पर सर्वाधिक उत्पीड़न करने वाला देश

2021 की रिपोर्ट में पाकिस्तान में अल्पसंख्यक ईसाई समुदाय के होने वाले उत्पीड़न का खासतौर पर उल्लेख किया गया है। कहा गया है कि सरकारी और निजी क्षेत्र की नौकरियों में ईसाइयों की संख्या बहुत कम है, उन्हें गंदगी के बीच रहना होता है और उनके साथ अपमानजनक व्यवहार होता है। पाकिस्तान में ईसाई जहां भी नौकरी करते हैं वहां पर उनके साथ बंधुआ मजदूर की तरह व्यवहार किया जाता है।

कुछ ईसाई लोग मध्यम वर्ग में हैं लेकिन उनका स्तर उसी वर्ग के मुस्लिमों से नीचे का है। उन्हें जीवन के हर क्षेत्र में कम करके आंका जाता है। उन्हें पढ़ने, रहने के स्थान से लेकर कार्यस्थल तक पर लगातार उत्पीड़न झेलना पड़ता है। दुनिया में ईसाइयों के लिए जो सबसे बुरे स्थान हैं, उनमें पाकिस्तान एक है। यहां पर अल्पसंख्यकों को अक्सर हिंसक उत्पीड़न भी झेलना पड़ता है। ईसाई लड़कियों के अपहरण और उनके साथ दुष्कर्म का खतरा हमेशा बना रहता है। ईशनिंदा कानून के उल्लंघन की तलवार हमेशा लटकी रहती है। यहां पर गिरजाघरों की हालत भी खराब है।

हिंदू आबादी का बुरी तरह उत्पीड़न

पाकिस्तान में यह स्थिति सभी धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ है। हिंदू अल्पसंख्यक भी ऐसा ही उत्पीड़न झेल रहे हैं जबकि सिंध प्रांत के उमरकोट, घोटकी और थडपारकर जिलों में उनकी अच्छी-खासी आबादी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान में धर्म के आधार पर ही नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलता है। गरीब अल्पसंख्यक भी सरकारी लाभों से वंचित रखे जाते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रेम में खेला खुनी खेल, प्रेमी ने किया प्रेमी की हत्या

प्रणय त्रिकोण में एक प्रेमी ने दूसरे की हत्या कर दी

क्रांति समय दैनिक

सूरत,सचिन जीआईडीसी क्षेत्र के सांईबाबा रेसिडेन्सी के निकट गुरुवार को एक शख्स ने दूसरे की हत्या कर दी। मृतक और आरोपी एक विवाहित महिला के प्यार में पागल थे और दोनों ही उसे अपने साथ रहने का दबाव डाल रहे थे। जिसे लेकर दोनों प्रेमियों के बीच झगड़ा हुआ। जिसमें एक को दुनिया छोड़नी पड़ी और दूसरे के लिए जेल का रास्ता खुल गया। जानकारी के मुताबिक महाराष्ट्र के अकोला की मूल निवासी विवाहित महिला अपने पति को चार साल पहले छोड़कर सूरत आई गई थी। महिला ने सूरत की सचिन जीआईडीसी क्षेत्र में मकान किराए पर ले लिया और एक मिल में मजदूरी करने लगी। जहां विवाहिता के प्यार में दो युवक पागल हो गए। जिसमें एक उत्तर प्रदेश का मूल निवासी गंगासिंह रमाकांत और अन्य एक युवक शामिल है। गंगासिंह सचिन की एक चाली में अकेले रहता था। विवाहिता गंगासिंह के घर रसोई और कपड़े इत्यादि धोने जाती थी। नियमित आवागमन के चलते दोनों के बीच नाजायज संबंध कायम हो गए। लेकिन मामला तब बिगड़ गया, जब विवाहिता दूसरे प्रेमी के साथ रहने लगी। जिसके बाद गंगासिंह अपने साथ रहने के लिए विवाहिता पर दबाव डालने लगा। इस बात को लेकर दो दिन पहले विवाहिता के दोनों के प्रेमियों के बीच झगड़ा हुआ। आवेश में आकर दूसरे प्रेमी ने गंगासिंह की हत्या कर दी। सचिन जीआईडीसी पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है।

गुजरात में पहले चरण में 11800 कोरोना वॉरियर्स को टीका लगा :नितिन पटेल

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद,उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कहा कि कोरोना महामारी से नागरिकों को सुरक्षित करने के लिए विश्व के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज देशव्यापी शुभारंभ कराया है। राज्य के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में पहले चरण के टीकाकरण अभियान की शुरुआत कराई और मुख्य लोगों को टीकाकरण के बाद कोविड-19 के टीका के लिए बेज पहनाकर

सम्मान किया। नितिन पटेल ने बताया कि पहले चरण के वैक्सीनेशन अभियान के तहत आज राज्य के 33 जिले और 8 महानगर पालिकाओं के 161 केन्द्रों पर शाम 6 बजे तक करीब 11800 कोरोना वॉरियर्स को टीका लगाया गया और अब भी यह प्रक्रिया जारी है। इन सभी केन्द्रों पर करीब 80 से 100 प्रतिशत जितना कवरेज मिला है और कहीं से अब तक किसी भी कोरोना वॉरियर्स पर प्रतिकूल असर की खबर नहीं है। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्यभर में 161 केन्द्र बनाए गए हैं। जिसमें सामूहिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कुशल निजी चिकित्सक, पेरामेडिकल स्टाफ समेत कोरोना के कठिन दौर में श्रेष्ठ काम करने वाले सफाईकर्मी इत्यादि को वैक्सीन लगाकर सुरक्षित किया गया है। जहां हेल्थ केयर वर्करों की संख्या कम है, वहां सभी कोरोना वॉरियर्स को टीका लगायागया। उन्होंने कहा कि पहले चरण के इस टीकाकरण अभियान में कोरोना वॉरियर्स और फ्रन्ट लाइन कोरोना वॉरियर्स को वैक्सीन दी जाएगी। करीब 4.40 लाख वॉरियर्स को राज्य में टीका लगाया जाएगा।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

सार–समाचार

क्रिकेटर हार्दिक पंड्या ने अपने पिता हिमांशु पंड्या का अंतिम संस्कार किया

वडोदरा,टीम इंडिया के ऑलराउंडर क्रिकेट हार्दिक पंड्या और कृणाल पंड्या ने आज शाम वडोदरा के वडीवाडा स्मशान गृह में अपने पिता हिमांशु पंड्या का अंतिम संस्कार कर दिया। हिमांशु पंड्या का शनिवार को दिल का दौरा पड़ने से 71 वर्ष की आयु में वडोदरा में निधन हो गया था। घटना के वक्त हार्दिक पंड्या और कृणाल पंड्या मौजूद नहीं थे। हार्दिक और कृणाल के लौटने के बाद उनके पिता की अंतिम यात्रा निकाली गई। वडोदरा के वडीवाडी में हिमांशु पंड्या का अंतिम संस्कार किया गया। वडोदरा क्रिकेट एसोसिएसन के सत्यजीतसिंह गायकवाड ने बताया कि पिछले काफी समय से हिमांशु पंड्या की तबियत ठीक नहीं थी। शनिवार की सुबह 4 बजे दिल का दौरा पड़ने के बाद हिमांशु पंड्या को वडोदरा निजी अस्पताल ले जाया जा रहा था। लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उनका निधन हो गया। जिसके बाद उनका पार्थिव देह वडोदरा के भायली रोड स्थित निवास पर लाया गया। अंतिम संस्कार में टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर किरण मोरे भी मौजूद रहे।

पीएम मोदी आज देश के विभिन्न शहरों को स्टैच्यू ऑफ यूनिटी से जोड़ती १० ट्रेनों को दिखाएंगे हरी झंडी

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद,भारतीय रेल की महत्वाकांक्षी योजना - विश्व का सबसे लंबा प्रतिमा भारत के रेल मानचित्र पर लगाने और रेल द्वारा निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए अंतिम रूप ले लिया गया है और पर्यटकों के स्वागत के लिए अपने दरवाजे खोलने के लिए तैयार है। देश और दुनिया इस भव्य इमारत का दौरा कर रहे हैं। नरेन्द्र मोदी - भारत के माननीय प्रधान मंत्री, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 17 जनवरी, 2021 को केवडिया के लिए विभिन्न स्थानों से नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इन ट्रेनों के शुरूहोने से कुल 10 ट्रेनें केवड़िया से जुड़ जाएंगी, जिनमें से 3 ट्रेनों का विस्तार किया गया है और 7 ट्रेनों को नियमित रूप से चलाने के लिए नई शुरुआत की गई है।

इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:-

1. ट्रेन सं. 09103/09104 वाराणसी- केवड़िया महामना सुपरफास्टि एक्स४प्रेस (साप्ताहिक)

अपने उद्घाटक सेवा के रूप में ट्रेन सं. 09130 वाराणसी- केवड़िया महामना सुपरफास्टस स्पे शल एक्सरप्रेस 17 जनवरी, 2021 को वाराणसी से 11.12 बजे रवाना होकर अगले दिन 14.57 बजे केवड़िया पहुँचेगी। यह ट्रेन प्रयागराज छेवकी, सतना, कटनी, जबलपुर, इटारसी, भुसावल, अमलनेर, नंदुरबार, सूरत, भरूच और वडोदरा जं. स्टे,शनों पर ठहरेगी। इस ट्रेन में फर्स्टद एसी, एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, शयनयान एवं द्वितीय श्रेणी के सीटिंग डिब्बेर होंगे। ट्रेन नंबर 20903/04 वडोदरा-वाराणसी सुपरफास्ट महामना एक्सप्रेस जो वड़ोदरा तक चल रही थी, को केवड़िया तक बढ़ा दिया गया है और अब ट्रेन नंबर 09103/04 केवडिया-वाराणसी महामना सुपरफास्ट एक्सप्रेस के रूप में चलेगी। नियमित सेवा के रूप में, ट्रेन नंबर 09103 केवड़िया-वाराणसी महामना सुपरफास्ट एक्सप्रेस (साप्ताहिक) प्रत्येक मंगलवार को केवड़िया से 18:55 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 23:10 बजे वाराणसी पहुंचेगी। यह ट्रेन 19 जनवरी, 2021 से शुरूहोगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 09104 वाराणसी-केवडिया महामना सुपरफास्ट एक्सप्रेस (साप्ताहिक) वाराणसी से प्रत्येक गुरुवार को 05:25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09.19 बजे केवडिया पहुंचेगी। यह ट्रेन 21 जनवरी, 2021 से चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में वड़ोदरा जंक्शन, भरूच, सूरत, नंदुरबार, अमलनेर, भुसावल, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना और प्रयागराज छेवकी स्टेशनों पर रूकेगी। इस ट्रेन में फर्स्टर एसी, एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, शयनयान एवं द्वितीय श्रेणी के सीटिंग डिब्बेम होंगे।

2. ट्रेन सं. 02927/02928 दादर-केवड़िया सुपरफास्ट एक्सछप्रेस (दैनिक)

इसकी उद्घाटक सेवा के रूप में ट्रेन नंबर 09127 दादर-केवडिया सुपरफास्ट स्पेशल एक्सप्रेस दादर से 17 जून, 2021 को सुबह 11.12 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 18.42 बजे केवडिया पहुंचेगी। ट्रेन बोरीवली, वलसाड, सूरत, भरूच, विश्वामित्री और वडोदरा जंक्शन स्टेशनों पर रूकेगी। इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, शयनयान एवं द्वितीय श्रेणी के सीटिंग डिब्बेन होंगे। ट्रेन नंबर 12927/28 दादर-वडोदरा सुपरफास्ट एक्सप्रेस जो वड़ोदरा तक चल रही थी, को केवड़िया तक बढ़ा दिया गया है और अब ट्रेन नंबर 02927/28 दादर-केवडिया सुपरफास्ट एक्सप्रेस के रूप में चलेगी। नियमित सेवा के रूप में, ट्रेन नंबर 02927 दादर-केवडिया सुपरफास्ट एक्सप्रेस दादर से रोजाना 23:50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07:25 बजे केवड़िया पहुंचेगी। यह ट्रेन 17 जनवरी, 2021 से चलेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 02928 केवडिया-दादर सुपरफास्ट एक्सप्रेस केवडिया से रोजाना 21:25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05.30 बजे दादर पहुंचेगी। यह ट्रेन 17 जनवरी, 2021 से शुरूहोगी। यह ट्रेन बोरिवली, वलसाड, सूरत, भरूच और वडोदरा जंक्शन पर रूकेगी। ट्रेन नं. 02927 भी विश्वामित्री स्टेशन पर भी रूकेगी। इस ट्रेन में फर्स्टद एसी, एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, शयनयान एवं द्वितीय श्रेणी के सीटिंग डिब्बे होंगे।

3. ट्रेन सं. 09247/09248 एवं 09249/ 09250 अहमदाबाद- केवड़िया जनशतब्दीए एक्सजप्रेस (दैनिक)

इसकी उद्घाटक सेवा के रूप में ट्रेन नंबर 09249 अहमदाबाद-केवडिया जन शताब्दी स्पेशल एक्सप्रेस 17 जनवरी को अहमदाबाद से 11.12 बजे प्रस्थान करेगी, 2021 उसी दिन 14.42 बजे केवडिया पहुंचेगी। इसी तरह, अपने शुरुआती दौर में, ट्रेन नंबर 09250 केवडिया-अहमदाबाद जन शताब्दी एक्सीप्रेस वापसी स्पेशल एक्सप्रेस 20: 20 बजे केवडिया से प्रस्थान करेगी और उसी दिन 23:45 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। यह ट्रेन नडियाद, आनंद, वडोदरा जंक्शन, डभोई और चंदोद स्टेशनों पर रूकेगी। इस ट्रेन विस्टा०डोम, एसी चेयर कार एक्जिक्युउटिव क्लारस, एसी चेयर कार एवं नॉन एसी चेयर कार डिब्बे होंगे। नियमित सेवा के रूप में, ट्रेन नंबर 09247 अहमदाबाद-केवडिया जन शताब्दी एक्सप्रेस अहमदाबाद से प्रतिदिन 07:55 बजे रवाना होगी और उसी दिन 10:40 बजे केवडिया पहुंचेगी। यह ट्रेन 18 जनवरी, 2021 से प्रभावी होगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 09248 केवडिया - अहमदाबाद जन शताब्दी प्रतिदिन केवड़िया से 11:15 बजे प्रस्थान करेगी और 14.00 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। यह ट्रेन 18 जनवरी, 2021 से शुरूहोगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में वडोदरा जंक्शन स्टेशन पर रूकेगी। इस ट्रेन में विस्टाडोम, एसी चेयर कार एक्जीक्यूटिव क्लास, एसी चेयर कार और नॉन एसी चेयर कार कोच शामिल हैं। नियमित सेवा के रूप में, ट्रेन नंबर 09249 अहमदाबाद-केवडिया जन शताब्दी प्रतिदिन अहमदाबाद से 15:20 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 18:20 बजे केवडिया पहुंचेगी। यह ट्रेन 18 जनवरी, 2021 से शुरूहोगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09250 केवडिया - अहमदाबाद जन शताब्दी प्रतिदिन केवड़िया से 20:20 बजे प्रस्थान करेगी और 23.05 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। यह ट्रेन 18 जनवरी, 2021 से शुरूहोगी। ट्रेन दोनों दिशाओं में वडोदरा स्टेशन पर रूकेगी। ट्रेन में विस्टाडोम, एसी चेयर कार एक्जीक्यूटिव क्लास, एसी चेयर कार और नॉन एसी चेयर कार कोच शामिल हैं।

4. ट्रेन सं. 09145/ 09146 केवड़िया-हज़रत निज़ामुद्दीन सुपरफास्टए एक्सकप्रेस (द्वि-साप्ताहिक)

इसकी उद्घाटक सेवा के रूप में ट्रेन नंबर 09146 हजरत निजामुद्दीन-केवडिया सुपरफास्ट स्पेशल एक्सप्रेस 17 जनवरी, 2021 को सुबह 11.12 बजे हजरत निजामुद्दीन से प्रस्थान करेगी और अगले दिन दोपहर 01.55 बजे केवडिया पहुंचेगी। ट्रेन मथुरा जंक्शन, कोटा जंक्शन, रतलाम जंक्शन, दाहोद, गोधरा और वडोदरा जंक्शन पर रूकेगी। स्टेशनों। ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और सेकेंड क्लास सीटिंग कोच शामिल हैं। एक नियमित सेवा के रूप में, ट्रेन नंबर 09145 केवडिया-हज़रत निजामुद्दीन सुपरफास्ट एक्सप्रेस (द्वि-साप्ताहिक) प्रत्येक बुधवार और शुक्रवार को 15:20 बजे केवड़िया से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05:45 बजे हज़रत निजामुद्दीन पहुंचेगी। यह ट्रेन 20 जनवरी, 2021 से शुरूहोगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 09146 हजरत निजामुद्दीन-केवडिया सुपरफास्ट एक्सप्रेस (द्वि-साप्ताहिक) हजरत निजामुद्दीन से प्रत्येक मंगलवार और गुरुवार को 13:25 बजे प्रस्थान करेगी और केवड़िया 03.20 बजे पहुंचेगी। यह ट्रेन 19 जनवरी, 2021 से शुरू होगी। ट्रेन दोनों दिशाओं में वड़ोदरा जंक्शन, गोधरा, दाहोद, रतलाम, कोटा और मथुरा स्टेशनों पर रूकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, शयनयान एवं द्वितीय श्रेणी के सीटिंग डिब्बे। होंगे।

5. ट्रेन सं. 09106 रीवा-केवड़िया महामना सुपरफास्ट एक्स प्रेस (साप्तागहिक)

इसकी उद्घाटक सेवा के रूप में ट्रेन संख्या 09106 रीवा-केवडिया महामना सुपरफास्ट स्पेशल एक्सप्रेस 17 जनवरी, 2021 को रीवा से 11.12 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07.47 बजे केवडिया पहुंचेगी। ट्रेन सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, गाडरवारा, पिपरिया, इटारसी, खंडवा, भुसावल जंक्शन, जलगाँव जंक्शन, अमलनेर, सूरत, भरूच और वड़ोदरा जंक्शन स्टेशनों पर रूकेगी। ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और सेकेंड क्लास सीटिंग कोच शामिल हैं। ट्रेन नंबर 20905/06 वडोदरा-रीवा सुपरफास्ट महामना एक्सप्रेस जो कि वड़ोदरा तक चल रही थी, को केवड़िया तक बढ़ा दिया गया है और अब यह ट्रेन नंबर 09105/06 केवडिया-रीवा महामना सुपरफास्ट एक्सप्रेस के रूप में चलेगी। नियमित सेवा के रूप में, ट्रेन नंबर 09105 केवडिया-रीवा महामना सुपरफास्ट एक्सप्रेस (साप्ताहिक) प्रत्येक शुक्रवार को केवड़िया से 18:55 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 17:15 बजे रीवा पहुंचेगी। यह ट्रेन 22 जनवरी, 2021 से शुरूहोगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09106 रीवा-केवडिया महामना सुपरफास्ट एक्सप्रेस (साप्ताहिक) ट्रेन प्रत्येक शनिवार को रीवा से 20:55 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 17.40 बजे केवडिया पहुंचेगी। । यह ट्रेन 23 जनवरी, 2021 से शुरूहोगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में वड़ोदरा जंक्शन, भरूच, सूरत, अमलनेर, जलगाँव, भुसावल, खंडवा, इटारसी, पिपरिया, गाडरवारा, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर और सतना स्टेशनों पर रूकेगी। ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और सेकेंड क्लास सीटिंग कोच शामिल हैं।

6. ट्रेन सं. 09120/09119 केवड़िया-एमजीबार चेन्नई सेंट्रल सुपरफास्टर एक्सलप्रेस (साप्तालहिक)

7. ट्रेन सं. 09107/09108, 09109/ 09110 एवं 09113/ 09114 प्रतापनगर-केवड़िया मेल एक्सओप्रेस मेमू (दैनिक)

ट्रेन संख्या 09117, 09118, 09107, 09108, 09113, 09114, 09109, 09110, 09127, 02927 एवं 02928 की बुकिंग 16 जनवरी, 2021 से तथा ट्रेन संख्यो 09247, 09248, 09249, 09250 एवं 09103 की बुकिंग 17 जनवरी, 2021 से और ट्रेन संख्याम 09145, 09120 एवं 09105 की बुकिंग 18 जनवरी, 2021 से निर्धारित पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरूहोगी।

ट्रेनें पूरी तरह से आरक्षित ट्रेन के रूप में चलेगी। संबंधित विशेष ट्रेनों के हाल्ट के बारे में विस्तृत समय के लिए,

यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अफवाहों से बचें और टीकाकरण के लिये अपनी बारी का इंतजार करें : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथने शनिवार को बलरामपुर अस्पताल का दौरा किया और उन स्वास्थ्यकर्मियों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना जिन्हें आज कोविड-19 का टीका लगाया गया। इस मौके पर उन्होंने लोगों से अफवाहों से बचने और टीका लगवाने के लिये अपनी बारी का इंतजार करने को कहा। उन्होंने कहा कि कोरोना टीकाकरण अभियान के माध्यम से अब इस महामारी पर पूरी तरह से नियंत्रण पाया जा सकेगा। उन्होंने कोरोना टीके के लिए प्रधानमंत्री तथा देश के वैज्ञानिकों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि इतने कम समय में देश की जनता की रक्षा के लिए दो कोविड टीके तैयार कर पाना प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ही सम्भव था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार के दिशानिर्देश के अनुरूप प्राथमिकता के अनुसार प्रदेश में टीकाकरण किया जाएगा। केन्द्र व राज्य के प्रयासों और व्यवस्थाओं से कोविड-19 को नियंत्रित करने में सफलता मिली है। आज उत्तर प्रदेश में कोविड-19 के बहुत कम सक्रिय संक्रमण के मामले है और यह सामूहिक प्रयास से सम्भव हुआ है। आदित्यनाथ ने कहा कि कोविड नियंत्रण में मीडिया ने सकारात्मक भूमिका निभायी। उन्होंने मीडिया का आह्वान करते हुए कहा कि वह कोरोना टीके के बारे में अफवाहों को रोकने के लिए काम करे। उन्होंने कहा, 'सभी लोग कोरोना टीके के संबंध में फैलाई जा रही अफवाहों से बचें और टीकाकरण के लिए अपनी बारी का इन्तजार करें। भारत द्वारा विकसित टीके विश्व के सबसे सफल और सस्ते हैं। इस टीकाकरण अभियान की शुरुआत से और सबके प्रयासों से उत्तर प्रदेश सहित पूरा देश इस महामारी पर विजय प्राप्त करने में सफल होगा।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना टीकाकरण के लिए निर्धारित प्रक्रिया का पूरा पालन किया जाएगा। प्रथम चरण में कोरोना योद्धाओं, चिकित्सकों, नर्स, पैरामेडिकल कर्मियों का टीकाकरण होगा। इसके बाद पुलिसकर्मी, स्वच्छता कर्मी, राजस्व कर्मी इत्यादि टीकाकरण की कतार में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इसके उपरान्त 50 वर्ष से ऊपर के ऐसे लोगों का टीकाकरण किया जाएगा, जो किसी बीमारी (कोमॉर्बिडिटी) का शिकार हैं। कोरोना का पहला टीका लगने के बाद दूसरा टीका 28 दिन के बाद लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि टीकाकरण अभियान की शुरुआत के बाद भी लोगों को अभी पूरी सावधानी बरतनी होगी। कोरोना संबंधी ऐहतियाती उपायों का पालन पहले की तरह करना होगा।

सेना के करिश्माई प्रदर्शन ने देश का मनोबल बढ़ाया : राजनाथ सिंह

लखनऊ। (एजेंसी)

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि भारत-चीन विवाद के दौरान सेना ने शानदार प्रदर्शन किया और देश का मनोबल बढ़ाया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सेना के शीर्ष अधिकारियों के साथ लखनऊ छावनी स्थित मध्य सेना कमान में सेना के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के लिए भूमि पूजन करने के बाद सिंह ने कहा, 'यह नया निर्माण हमें एक संदेश देता है कि अगर पिछले साल बाधाएं थी,यह समाधान का वर्ष है।' सिंह ने कहा कि भारत-चीन विवाद के बीच सेना के करिश्माई प्रदर्शन ने देश का मनोबल बढ़ाया है, साथ ही नागरिकों को अपना सिर ऊंचा रखने में सक्षम बनाया है।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष भारत-पाकिस्तान युद्ध का स्वर्ण जयंती वर्ष मनाया जा रहा है जिससे भारत का मस्तक पूरी दुनिया में ऊंचा हुआ है। सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र को लेकर सरकार जागरूक है और दुनिया के किसी भी देश में स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर इतनी बड़ी योजना नहीं बनी, जितनी भारत में आयुष्मान भारत योजना कारगर साबित हुई है। रक्षा मंत्री ने दावा किया कि पूरी दुनिया में आयुष्मान भारत योजना का कोई जवाब नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यों की भी सराहना की। राजनाथ सिंह ने कहा, 'हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज और पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल कॉलेज लाने का सरकार का लक्ष्य है और सिर्फ छह वर्ष में देश में 22 नए एम्स बन गए हैं।'

सिंह ने कहा कि पांच वर्षों में एमबीबीएस की 30,000 सीटें बढ़ी हैं और स्तानकोत्तर की 15 हजार सीट बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि इसकी चर्चा इसलिए की जा रही है, क्योंकि स्वास्थ्य को लेकर सरकार जागरुक है और उसी दिशा में इस अस्पताल की नींव रखी गई है। उन्होंने भरोसा दिया कि इस कार्य में कहीं भी कोई बाधा आएगी तो हम सब मिलकर बाधा को दूर करेंगे। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने कहा कि पूरी दुनिया जिस महामारी से त्रस्त थी, उसके खिलाफ टीकाकरण शुरू हो गया है और नए कमान अस्पताल के शिलान्यास से खुशी दोहरी हो गई है। इस मौके पर सेनाध्यक्ष जनरल एमएम नरवणे भी मौजूद रहे।

पूरी ताकत और तैयारी से निकाय चुनाव लड़ रही है भाजपा : सतीश पूनिया

जयपुर। (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने शनिवार को कहा कि पार्टी पूरी ताकत और तैयारी के साथ आगामी नगर निकाय चुनाव लड़ रही है और कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम से उसे शानदार जीत मिलेगी। भाजपा कार्यालय में संवाददाताओं से बातचीत में पूनिया ने कहा कि गांवों से लेकर शहरों तक जनविरोधी नीतियों के कारण राज्य की जनता कांग्रेस को नकार रही है जिसका बड़ा स्पष्ट प्रमाण हाल ही में 21 जिलों में हुए पंचायतीराज चुनाव हैं। राज्य में अभी 90 नगर निकायों के लिए पार्षदों व अध्यक्ष के लिए चुनाव होना है। भाजपा नेता ने कहा कि भले ही निकायों के हालिया चुनाव में गहलोत सरकार ने वार्डों का परिसीमन कर व सरकारी मशीनरी का दुरूपयोग कर तिकड़म किया हो लेकिन कांग्रेस को आशानुरूप नतीजे नहीं मिले।

पूनिया ने कहा कि जयपुर सहित पूरे राज्य में कोई सुरक्षित नहीं है, कानून व्यवस्था बिगड़ी हुई है, बेरोजगारों को भत्ता नहीं मिल रहा, भर्तियां पूरी नहीं हो रहीं, संविदाकर्मियों को नियमित नहीं किया जा रहा और सरकार की नाक के नीचे भ्रष्टाचार भी तेजी से पनप रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी किसान कर्जमाफी को लेकर विधानसभा उपचुनाव से पहले बड़ा आंदोलन करने की रणनीति बना रही है। वहीं कोरोना प्रतिरक्षण टीकाकरण अभियान की शुरुआत पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान की शुरुआत कर भारत की साख बढ़ाई है। उन्होंने कहा कि हम सभी को भारतीय होने पर गर्व है किभारत में दो स्वदेशी टीके विकसित किये गए।

सार समाचार

मौजूदा तानाशाही शासन के खिलाफ खड़े होने के लिये राहुल गांधी को याद रखेगा इतिहास : महबूबा

श्रीनगर। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को कहा कि मौजूदा तानाशाही शासन के खिलाफ खड़े रहने के लिये इतिहास राहुल गांधी को याद रखेगा। मुफ्ती ने ट्विटर पर लिखा कि वास्तव में नया भारत चुनिंदा लोगों की गिरफ्त में है और गांधी एकमात्र नेता हैं जो सच बोलने की हिम्मत रखते हैं। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख मुफ्ती ने कहा, आप राहुल गांधी का कितना भी मजाक उड़ाएं, लेकिन वह एकमात्र नेता हैं जो सच बोलने की हिम्मत रखते हैं। यह तथ्य है कि नया भारत चुनिंदा लोगों और साठगांठ रखने वाले पूंजीपतियों की गिरफ्त में है।

मौजूदा तानाशाही शासन के खिलाफ खड़े रहने के लिये इतिहास उनको याद रखेगा। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती ने एक और ट्वीट किया कि केन्द्र सरकार ने अपनी पालतू एजेंसी राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी (एनआईए) को तीन कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहीं किसान यूनियन के पीछे लगा दिया। उन्होंने लिखा, भारत सरकार की पालतू एजेंसी अब किसान यूनियनों के पीछे पड़ी है। भारत की शीर्ष आतंकवाद जांच एजेंसी के पाखंड को कश्मीरियों, किसान और असहमति रखने वालों को फंसाने के उसके ढंग से समझा जा सकता है।

पुलवामा की दीवारों पर लगाए गये धमकी भरे पोस्टर, आतंकवादियों के पांच सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में धमकी भरे पोस्टर लगाने के आरोप में आतंकवादियों के कथित पांच सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि दक्षिण कश्मीर के त्राल इलाके में सीर और बटागुंड गांव में आतंकवादी संगठन के पोस्टर लगे हुए मिले थे। उन्होंने बताया कि इसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कई स्थानों पर छापेमारी की और कई संदिग्धों को पकड़ा।

प्रवक्ता ने बताया, '' संदिग्धों से पूछताछ और जुटाए गए सबूत के आधार पर पता चला कि आतंकवादियों के पांच सहयोगी सीर एवं बटागुंड गांव में धमकी भरे पोस्टर लगाने के काम में शामिल हैं और उसी के चलते उनकी गिरफ्तारी की गई।'' उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जहांगीर अहमद पर्रे, ऐजाज अहमद पर्रे, तौसीफ अहमद लोन, सबजार अहमद बट और कैसर अहमद डार के तौर पर की गई है और ये सभी त्राल के गुलशनपोरा के रहने वाले हैं। प्रवक्ता ने बताया कि इनके पास से धमकी भरे पोस्टर तैयार करने में इस्तेमाल लैपटॉप और प्रिंटर भी जब्त किया गया है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है।

कृषि कानूनों पर गतिरोध खत्म करने के लिए सरकार पहले अपनी गलती स्वीकार करे : चिदंबरम

नयी दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने शनिवार को कहा कि कृषि कानूनों को लेकर चल रहे गतिरोध को खत्म करने के लिए सरकार पहले अपनी 'गलती' स्वीकार करनी चाहिए और फिर नए सिरे से बातचीत शुरू करनी चाहिए। उन्होंने ट्वीट किया, ''जैसा कि उम्मीद थी, किसानों और सरकार के बीच वार्ता का एक और दौर विफल रहा है। दोष सरकार का है क्योंकि वह विवादित कानूनों से छुटकारा पाने के लिए सहमत नहीं होगी।''

पूर्व वित्त मंत्री ने दावा किया, ''आरटीआई आवेदनों से मिली जानकारी ने सरकार के झूठे को बेनकाब कर दिया कि कृषि अध्यादेशों को जारी करने से पहले व्यापक विचार-विमर्श किया गया था। उन्होंने कहा, ''सच्चाई यह है कि किसी से भी सलाह नहीं ली गई थी। राज्य सरकारों से परामर्श नहीं किया गया था।'' चिदंबरम ने कहा, ''गतिरोध से बाहर निकलने का एकमात्र तरीका सरकार को अपनी गलती स्वीकार करना और नए सिरें से बात शुरू करने के लिए सहमत होना है।

कोरोना वैक्सीन पर बदले अखिलेश के सुर, पूछा- गरीबों तक कब पहुंचेगी

नई दिल्ली। कोरोना वैक्सीन को भाजपा का वैक्सीन बताने वाले समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव आज बदले बदले नजर आए। आज अखिलेश यादव ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मुझे खुशी है कि सरकार ने वैक्सीन का कार्यक्रम शुरू कर दिया है। अब वैक्सीन आ गई है। सवाल ये है कि यह गरीबों तक कब पहुंचेगी और गरीबों को मुफ्त में देंगे कि नहीं देंगे। हम अपनी सरकार से जानना चाहते हैं कि इनका कार्यक्रम क्या है, सभी लोगों को कब तक वैक्सीन लग जाएगी।

अखिलेश यादव ने आगे कहा कि मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि क्या आपके स्टाफ, डॉक्टर्स और टेक्निकल लोगों को ट्रेनिंग दे दी गई है। जहां वैक्सीन लगनी है क्या वहां पर्याप्त फंड पहुंचा दिए गए हैं। पता लगा है कि जहां केंद्र बनाए गए हैं वहां अभी तक फंड नहीं पहुंचाया गया है। आपको बता दें कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में शनिवार को राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान की शुरुआत होने पर अस्पताल के एक सफाई कर्मी मनीष कुमार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन की उपस्थिति में कोविड??-19 का पहला टीका लगाया गया।

सोशल मीडिया के जरिए ठगी करने वाले इंटरनेशनल रैकेट का भंडाफोड़, पुलिस ने 12 को किया गिरफ्तार

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

सोशल मीडिया के अगर फायदे है तो उसके नुकसान भी है। अगर हम कहें कि सोशल मीडिया के जरिए ठगी करने का स्कोप भी बढ़ा है तो शायद आप सहमत भी होंगे। ऐसे कई मौके आए होंगे जब आपके सामने सोशल मीडिया के जरिए कोई लिंक आता होगा जिस पर क्लिक करके आपको यह कहा जाता होगा कि आप इसके जरिए पैसे कमा सकते हैं। आपने लालच में कई बार लिंग पर क्लिक किया होगा। लेकिन हो सकता है आप हर बार ठगी का शिकार ना हुए हो। पर सोशल मीडिया के जरिए लालच देकर ठगी करने वाले लोगों के एक इंटरनेशनल सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया गया है। सिंडिकेट अब तक 40000 से ज्यादा लोगों को लगभग करोड़ों रुपए का चूना लगा चुका है।

इस तरह के मामले की शिकायत मिलने के बाद साइबर क्राइम में दिल्ली एनसीआर में 12 मुजलिमों को गिरफ्तार किया है। खास बात यह है कि इनमें दो चीनी नागरिक हैं और एक तिब्बत के नागरिक है। चीनी नागरिक 27 साल का सीडी दाउयोंग और 54 साल का यू जीहाजी हैं। इन दोनों को लाजपत नगर थाना इलाके में पकड़ा गया है। इस गैंग ने 2 महीने में ही 39781 भारतीयों को ठगा है। मुजलिम उन यूआरएल लिंक का इस्तेमाल कर रहे थे जिसे भारत सरकार ने पिछले साल जून में ही ब्लॉक कर दिया है।

आरोपी चीनी नागरिकों से 25 लाख रुपए की ठगी की रकम बरामद की गई है। साथ ही साथ चार करोड़ 75 लाख रुपए विभिन्न बैंक के अकाउंट से मिले है। बताया जा रहा है कि मुजलिम फेसबुक, व्हाट्सएप्प, यूट्यूब, इंस्टाग्राम के जरिए सोशल मीडिया पर लोगों को पैसा कमाने का लालच देते थे। उपभोक्ताओं को एक यूआरएल भेजते थे जिसे वह क्लिक करने के लिए कहते थे। यह गैंग लोगों को अपने जाल में लगातार फंसा रहा था। हालांकि पुलिस को उम्मीद है कि इन लोगों की गिरफ्तारी के बाद कई और चीजों का भंडाफोड़ हो सकता है। फिलहाल इस मामले की छानबीन की जा रही है।

मनीष तिवारी ने वैक्सीन पर उठाया सवाल, बोले- कोई जिम्मेदार नेता टीका लगवाने के लिए क्यों नहीं आया सामने ?

नयी दिल्ली। कोरोना के खिलाफ टीकाकरण अभियान की शुरुआत हो गई है। इस बीच कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा और कहा कि कोई जिम्मेदार नेता अभी तक टीका लगवाने के लिए सामने क्यों नहीं आया ? जिससे यह संदेश जाए कि यह टीका सुरक्षित है। समाचार एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने यह बात कही।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि हर मुल्क में जहां टीकाकरण शुरू हुआ, वहां के मुखिया ने सबसे पहले टीका लगवाया है। अमेरिका में जो बाइडेन हैं, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस हैं इन सबने सबसे पहले टीका लगवाना ताकि देश के सामने यह संदेश जाए कि यह टीका सुरक्षित है और यह आपकी हिफाजत करेगा। इंग्लैंड में बोरिस जानसन हैं, उन्होंने सबसे पहले टीका लगवाया और बाकी मुल्कों में भी ऐसी ही प्रक्रिया आजमाई जा रही है।

मनीष तिवारी ने आगे कहा कि अगर यह टीका सुरक्षित है तो अभी तक इस सरकार के कोई जिम्मेदार मंत्री सामने क्यों नहीं आए ? जिससे यह संदेश जाए कि यह टीका पूरी तरह से सुरक्षित है। उल्लेखनीय है कि टीकाकरण अभियान के पहले चरण में 3 करोड़ स्वास्थ्य कर्मियों और फंट वर्कर्स को कोरोना का टीका लगाया जाएगा।

अंसतोष जाहिर करने के बाद शताब्दी रॉय का बदला रुख, दिया यह बड़ा बयान

कोलकाता। (एजेंसी)।

बीरभूम से तृणमूल कांग्रेस सांसद शताब्दी रॉय ने शनिवार को कहा कि जिन पार्टी कार्यकर्ताओं को समस्या है उन्हें दूसरे विकल्प देखने के बजाय पार्टी से इस बारे में बात करनी चाहिए। शताब्दी ने कुछ समय के असंतोष के बाद कल रात ही पार्टी से समझौता किया है। इससे पहले उनके भाजपा में जाने की अटकलें थीं। अभिनय की दुनिया से राजनीति में आईं शताब्दी रॉय ममता बनर्जी की पार्टी के फिल्म संस्कृति से जुड़े लोगों में प्रमुख चेहरा हैं। शताब्दी ने कहा कि जब पार्टी कड़े मुकाबले का सामना कर रही है, ऐसे में दूसरे विकल्पों की ओर देखना अनैतिक होगा।

बाद में उन्होंने एक फेसबुक पोस्ट में अपनी बात धैर्य से सुने जाने पर तृणमूल कांग्रेस नेता और सांसद अभिषेक बनर्जी की प्रशंसा की और कहा कि ''जिस तरह से युवा नेता ने उनके सभी मुद्दें के समाधान का आश्वासन दिया, उससे वह खुश हैं''। उन्होंने कहा, ''सारे मुद्दे सुलझा लिये गये हैं। पार्टी इन मुद्दों को देखेगी। मैं सभी कार्यकर्ताओं से कहना चाहती हूं कि अगर उन्हें कोई समस्या है तो उन्हें अन्य विकल्पों की ओर देखने के बजाय इस मामले पर पार्टी के साथ चर्चा करनी चाहिए।''

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक के साथ शुक्रवार को दो घंटे तक चली बैठक के बाद शताब्दी रॉय ने कहा था कि उनके तृणमूल कांग्रेस छोड़ने का कोई सवाल ही नहीं उठता। इसके बाद उन्होंने शनिवार को प्रस्तावित अपनी दिल्ली यात्रा को रद्द कर दिया था।

कोरोना के टीके से जुड़ी हर अफवाह को केजरीवाल ने किया खारिज, कहा- पूरी तरह से सुरक्षित

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को लोगों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान नहीं दें और विशेषज्ञों की बात सुनें जो कह रहे हैं कि कोविड-19 टीके सुरक्षित हैं। कोरोना वायरस के खिलाफ दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान शनिवार को देश में आरंभ हुआ। केजरीवाल ने लोक नायक जय प्रकाश नारायण (एलएनजेपी) अस्पताल में टीकाकरण अभियान का निरीक्षण किया और टीका लगवा चुके कुछ स्वास्थ्यकर्मियों से बात की। उन्होंने महामारी के खिलाफ लड़ाई में स्वास्थ्यकर्मियों के योगदान की सराहना की।

दिल्ली में टीकाकरण अभियान 81 केंद्रों पर शुरू हुआ। एलएनजेपी अस्पताल में तैनात नर्सिंग अधिकारी आत्मजा प्रियदर्शनी नायक ने मुख्यमंत्री की मौजूदगी में टीका लगवाया। मुख्यमंत्री ने कहा, ''टीका लगवा चुके लोगों से मैंने बात की। किसी को कोई परेशानी नहीं हुई। सभी इस बात से खुश हैं कि उन्हें कोरोना वायरस से मुक्ति मिल जाएगी।'' उन्होंने आगे कहा, ''मैं सभी से यह कहना चाहता हूं कि वे अफवाहों और भ्रामक बातों की ओर ध्यान नहीं दें। विशेषज्ञों का कहना है कि टीके सुरक्षित हैं और चिंता करने की कोई बात नहीं है।''

केजरीवाल ने कहा कि टीके लगने के बाद भी फेस मास्क लगाने की तथा सामाजिक दूरी बनाए रखने की जरूरत है। दिल्ली सरकार ने टीकाकरण अभियान के वास्ते सभी तैयारियां की थीं और शनिवार को राजधानी के 81 केन्द्रों पर लगभग 8,100 लोगों को टीका लगाया जाना है और यह अभियान एलएनजेपी में सुचारू ढंग से चल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि टीकाकरण के लिए लोगों के पंजीकरण के लिए एक अलग ऐप की शुरूआत करने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि केन्द्र ने पूरे देश के लिए समान प्रणाली तैयार की है। केजरीवाल ने कहा कि आने वाले दिनों में टीकाकरण केन्द्रों की संख्या बढ़ाकर 175 तक की जायेगी और इसके बाद जैसे-जैसे टीके की उपलब्धता बढ़ती जाएगी, हम एक हजार केन्द्र तक बनाने के लिए तैयार हैं।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि पहले चरण में स्वास्थ्यकर्मियों को टीका लगाया जायेगा, इसके बाद अग्रिम मोर्चे के कर्मचारियों को टीका लगाया जायेगा। उन्होंने कहा कि इसके बाद 50 वर्ष से अधिक उम्र वालों को और इसके बाद कम उम्र वाले गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों को टीका लगाया जायेगा। एलएनजेपी अस्पताल के निदेशक डा. सुरेश कुमार ने कहा, ''विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान दिल्ली में एलएनजेपी अस्पताल से शुरू हुआ।

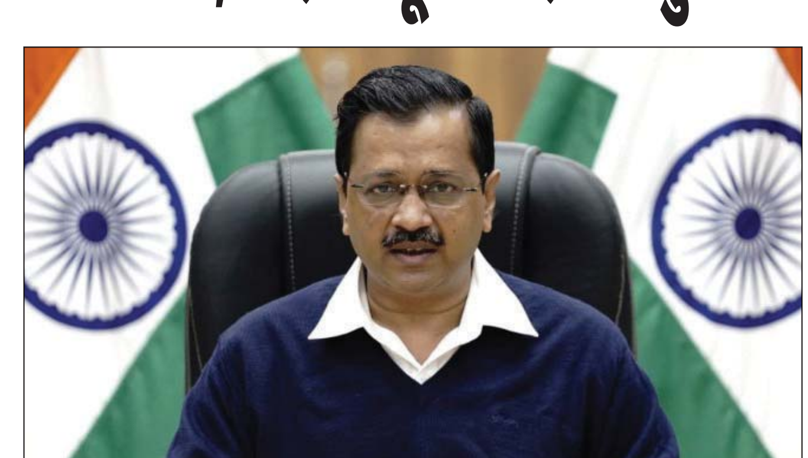

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने तैयारियों का निरीक्षण किया और उन आठ लोगों से बात की जिन्हें टीका लगाया गया था।'' उन्होंने कहा, ''मैं लोगों से टीकाकरण अभियान में हिस्सा लेने का अनुरोध करता हूं।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कोविड-19 के खिलाफ भारत के टीकाकरण अभियान की शुरुआत की और इस दौरान कहा कि यह विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान है और यह भारत के सामर्थ्य को दर्शाता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)